ब्रिटेन में कोरोना का कहर, पिछले 24 घंटों में सामने आए रिकार्ड एक लाख से ज्यादा नए मामले

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 12 दिनांक: 23-12-2021 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

उत्तराखंड : हाईकमान पर सीधे निशाना साध हरीश रावत ने चुनाव में फ्री हैंड देने का बनाया दबाव

अगले हफ्ते हो सकता है बूस्टर डोज पर फैसला

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज पर विचार करने के लिए अगले हफ्ते टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह यानी एनटागी की बैठक हो सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उसके पहले ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ मौजूदा वैक्सीन के प्रभाव की रिपोर्ट भी आ जाएगी। एनटागी की पिछले बैठक में ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ वैक्सीन के असर पर आंकड़े नहीं होने से बूस्टर डोज पर फैसला नहीं हो सका था।

अधिकारी के अनुसार पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआइवी) में ओमिक्रॉन वैरिएंट के खिलाफ कोविशील्ड और कोवैक्सीन के असर की पड़ताल की जा रही है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद बूस्टर डोज पर फैसला लेना आसान हो जाएगा। अगर ओमिक्रोन वैरिएंट पर मौजूदा वैक्सीन कारगर पाई जाती हैं तो बूस्टर डोज के लिए उन्हें मान्यता दी जा सकती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक बलराम भार्गव पहले ही बता चुके हैं कि किसी व्यक्ति में वैक्सीन या संक्रमण से बनने वाला एंटीबाडी कमोबेश छह महीने से एक साल तक मौजूद रहती है। इसी आधार पर उन्होंने संसदीय समिति की बैठक में टीके की दूसरी डोज के नौ महीने बाद बूस्टर डोज देने की बात कही थी।

मौजूदा वैक्सीन गंभीर संक्रमण रोकने में सक्षम विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि मौजूदा वैक्सीन ओमिक्रोन के संक्रमण के गंभीर और घातक होने रोकने में सक्षम हैं। इसे देखते हुए ही ओमिक्रोन से बचाव के लिए 60 से अधिक देशों में बूस्टर डोज लगाने का फैसला किया गया है। यूरोपीय संघ ने भी दूसरी डोज के नौ महीने के बाद बिना बूस्टर डोज लगवाए लोगों को यात्रा नियमों में छूट देने से इन्कार कर दिया है। जाहिर है कि भारत में भी बूस्टर डोज को लेकर दबाव बढ़ गया है और एनटागी से अगले हफ्ते इसकी हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज पर विचार करने के लिए अगले हफ्ते टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह यानी एनटागी की बैठक हो सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार उसके पहले ओमिक्रोन वैरिएंट के खिलाफ मौजूदा वैक्सीन के प्रभाव की रिपोर्ट भी आ जाएगी।

मुख्यमंत्री की उद्धव ठाकरे नहीं पहुंचे विधानसभा, आदित्य ठाकरे ने कहा उनकी हालत ठीक है

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के पहले दिन उद्धव ठाकरे की अनुपस्थिति पर उनके बेटे और राज्य के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री की हालत ठीक है, मैंने उनसे फोन पर बात की है, वह जब चाहेंगे तब आएंगे।

ज्ञात रहे कि 61 वर्षीय उद्धव ठाकरे की हाल ही में सर्वाइकल स्पाइन की सर्जरी हुई थी। उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भाग लिया और वीडियो कॉल के जरिए ही शिवसेना विधायकों के साथ चाय पर चर्चा भी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र की समाप्ति के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में शिवसेना सांसदों से मुख्यमंत्री ठाकरे के स्वास्थ्य के बारे में पूछा। वहीं भाजपा के महाराष्ट्र प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने विधानसभा में पहले ही दिन मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति को ठअनुचितठ कहा और सुझाव दिया कि उद्धव ठाकरे के स्वस्थ होने तक किसी और को कार्यभार संभालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री शीतकालीन सत्र में भाग लेने में असमर्थ हैं तो उन्हें कार्य करने के लिए किसी को नामित करना चाहिए। यह अनुचित है कि मुख्यमंत्री विधायिका की कार्यवाही से अनुपस्थित रहे। हम सत्र से मुख्यमंत्री की पूर्ण अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं करेंगे।

इसके जवाब में महाराष्ट्र के एक अन्य मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि किसी भी प्रतिस्थापन की कोई आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का स्वास्थ्य अच्छा है और वह किसी भी समय विधायिका में आ सकते हैं। किसी और को प्रभार सौंपने की जरूरत नहीं है। वह घर से काम कर रहे हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र, सांसद चुनाव में व्यस्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है, किंतु सांसद चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। पहली बार बड़ी संख्या में सांसद चुनाव प्रचार और चुनाव की तैयारियों के लिए विभिन्न राज्यों में चले गए हैं। मंत्री और प्रधानमंत्री भी चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। सत्र के दौरान सभी मंत्री उपस्थित नहीं रहते हैं। जिसके कारण संसद का सत्र भी अब एक औपचारिकता बन कर रह गया है।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर,जिसके ऊपर अरबों रुपए हर साल खर्च होते हैं। सांसद संसदीय कार्य छोड़ कर अब चुनाव प्रचार करने का काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और सांसद अब नगर निगम के चुनाव प्रचार में भी भाग ले रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चंडीगढ़, कोलकाता नगर निगम और पांच राज्यों के चुनाव प्रचार की तैयारी में सांसदों को बाकायदा डयूटी लगाकर झोंक दिया है। संगठन द्वारा मंत्रियों की डयूटी भी चुनाव प्रचार में लगा दी गई है। संसद में मंत्री भी उपस्थित नहीं है। कोरम पूरा करने के लिए कई बार सांसद भी सदन में उपलब्ध नहीं होते हैं। इसके पहले सत्र के दौरान संसद की यह स्थिति कभी नहीं देखी गई।

जिन सांसदों ने संसद में सवाल पूछे थे। वह भी अपने सवालों का जवाब जानने के लिए संसद में उपलब्ध नहीं थे। सबसे बड़ी आश्चर्य की बात यह है कि सांसद अब नगर निगम और नगर पालिका के चुनाव में प्रचार करने और चुनाव जिताने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं वह अपनी लोकतांत्रिक डयूटी भी पूरी नहीं कर रहे हैं। सांसद अपना वेतन, सुविधाएं, भत्ता यहां तक कि चुनाव प्रचार के लिए जो हवाई/रेल यात्राएं करते हैं। उसका खर्च भी सरकारी खजाने से हो रहा है। ऐसी स्थिति में अब यह कहा जाने लगा है, कि संसद का सत्र चुनावी कैलेंडर को ध्यान में रखते हुए बनाने की जरूरत है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सांसदों महत्वपूर्ण भूमिका है, और चुनाव में उनकी भूमिका पार्टी ने तय की है। तो इन दोनों के साथ अन्याय ना हो इसके लिए अब संसद सत्र का नया कैलेंडर चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए बनाए जाने की जरूरत है।

मुंबई में संक्रमण के 490 नए मामले सामने आए

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 490 नए मामले सामने आए हैं। 15 अक्टूबर के बाद यह पहला मौका है जब इतनी संख्या में नए मरीज मिले हैं। 15 अक्टूबर को 488 मरीज सामने आए थे। पिछले 24 घंटों में किसी भी मरीज की जान इस वायरस की वजह से नहीं गई। शहर में एक्टिव मरीजों की संख्या अब 2419 हो गई है।

पिछले 24 घंटे में देशभर में कोरोना के 6,317 नए केस सामने आए हैं। कल के मुकाबले यह संख्या 18.6 फीसदी अधिक है। इसके साथ ही देश में एक्टिव केस वर्तमान में 78,190 हैं। भारत में रिकवरी रेट वर्तमान में 98.40ः है। पिछले 24 घंटों में 6,906 लोग ठीक हुए हैं। अब कुल ठीक होनेवालों की संख्या बढ़कर 3,42,01,966 हो गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में 318 लोगों की मौत हुई है।

इस बीच देश में कोरोना वैरिएंट ओमिक्रॉन के 213 मामले सामने आ गए हैं। इसमें से 90 लोग पूरी तरीके से स्वस्थ होकर अस्पताल से घर जा चुके हैं।

कार्टून कोना

ब्रिटेन में ओमिक्रॉन से 14 मौतें, भारत में दिल्ली और महाराष्ट्र में सामने आए सर्वाधिक मरीज

नई दिल्ली(ईएमएस)। दुनिया भर में ओमिक्रॉन वैरिएंट ने कोरोना की नई लहर पैदा होने का खतरा बढ़ा दिया है। इस बीच ब्रिटेन ने जानकारी दी है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट से पीड़ित 129 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। अब तक 14 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य राज्य मंत्री गिलियान कीगन ने यह जानकारी दी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि यदि डेटा बढ़ता रहा तो फिर सरकार कोरोना के सख्त प्रतिबंध लगाने से पीछे नहीं हटेगी। हालांकि इससे पहले प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को कहा था कि वह क्रिसमस से पहले किसी तरह के प्रतिबंध लगाने पर विचार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि स्थिति काफी चिंताजनक होती जा रही है और क्रिसमस के त्योहार के बाद सरकार इस पर एक्शन ले सकती है।

इस बीच, भारत में ओमीक्रोन का एक और नया केस आंध्र प्रदेश से मिला है। इसके साथ ही देश भर में ओमिक्रॉन वैरिएंट के कुल मामले तेजी से बढ़ते हुए 214 हो गए हैं। सबसे ज्यादा 57 केस अब तक दिल्ली में मिल चुके हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में 54 और गुजरात में 14 एवं राजस्थान में 18 नए मामले मिले हैं। इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कोरोना संकट से निपटने के लिए अहम बैठक बुलाई है। इसमें कोरोना को नियंत्रित करने के लिए किसी निर्णायक पहल करने का निर्णय लिया जा सकता है। इसके साथ ही केंद्र बचाव के लिए गाइडलाइन भी जारी कर सकता है। भारत में ओमिक्रॉन वैरिएंट के केस बढ़ने के साथ ही बूस्टर डोज दिए जाने की मांग भी तेज हो गई है।

नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने बुधवार को कहा कि कोरोना शुरुआती दौर में मामूली लक्षणों के साथ ही आता है। हम ओमिक्रॉन वैरिएंट पर पूरी नजर बनाए हुए हैं। यदि इसके स्वरूप में किसी भी तरह का बदलाव होता है तो फिर यह हमारे लिए चिंता की बात होगी।

कांग्रेस का आरोप, निर्माणाधीन राम मंदिर के आसपास जमीन की लूट मची हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा के कई नेताओं तथा यूपी शासन कुछ अधिकारियों ने अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर के आसपास की जमीनों को औने-पौने दाम पर खरीदा है, जमीन की यह 'लूट' साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद की गई है। पार्टी महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'चंदे की लूट और जमीन की लूट पर जवाब देकर पूरे प्रकरण की जांच करानी चाहिए। उन्होंने यूपी में भाजपा के कुछ विधायकों और स्थानीय प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का उल्लेख कर दावा किया कि भाजपा के लोगों ने 'रामद्रोह' किया है जिसके लिए वे 'पाप और शाप' के भागी हैं। कांग्रेस के दावे पर फिलहाल भाजपा या उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सुरजेवाला ने कहा, पहले मंदिर के नाम पर चंदे की लूट की गई और अब संपत्ति बनाने की लूट हो रही है। साफ है कि भाजपा के लोग अब रामद्रोह कर रहे हैं।जमीन की सीधे लूट मची हुई है। एक तरफ आस्था का दीया जलाया गया और दूसरी तरफ भाजपा के लोगों द्वारा जमीन की लूट मची है। उन्होंने दावा किया, अब नया खुलासा हुआ है कि निर्माणधीन राम मंदिर के निकट की जमीनें भाजपा के विधायकों, महापौर, ओबीसी आयोग के सदस्य और प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा औने-पैमाने दाम पर खरीद ली गई हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, भगवान श्रीराम आस्था, विश्वास, मर्यादा और सनातन के प्रतीक हैं। लेकिन भाजपा के लोग उनके नाम पर भी लूट का धंधा चला रहे हैं।

'आप जो बोते हैं वही काटते हैं' - अमरिंदर का हरीश रावत पर कटाक्ष

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस नेता हरीश रावत के ट्वीट पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए ट्विटर पर लिखा, ठआप जो बोते हैं वही काटते हैं! आपके भविष्य के प्रयासों (यदि कोई हो) के लिए शुभकामनाएंठ

दरअसल, हरीश रावत ने बुधवार को एक के बाद एक अपने ट्वीट में नेतृत्व से नाराजगी जाहिर करते हुए यहां तक कहा कि उन्हें नए साल में ठभगवान केदारनाथ से मार्गदर्शनठ की उम्मीद है। कई लोगों के लिए ट्वीट एक स्पष्ट संकेत थे कि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चुनाव नजदीक आने के साथ ही जिम्मेदारियों से अलग होना चाहते हैं। कारण, पंजाब और उत्तराखंड दोनों राज्यों में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होना है।

हरीश रावत ने ट्वीट किया, है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र को तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर करके खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है, सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं। जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। मन में बहुत बार विचार आ रहा है कि हरीशऽरावत अब बहुत हो गया, बहुत तैर लिये, अब विश्राम का समय है!'

अगले ट्वीट में रावत ने लिखा है, ठफिर चुपके से मन के एक कोने से आवाज उठ रही है ठन दैन्यं न पलायनम्ठ बड़ी उहापोह की स्थिति में हूं, नया वर्ष शायद रास्ता दिखा दे। मुझे विश्वास है कि भगवानऽकेदारनाथ जी इस स्थिति में मेरा मार्गदर्शन करेंगे।ठ

ज्ञात रहे कि कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य हरीश रावत 2022 के उत्तराखंड चुनावों के लिए पार्टी का चेहरा हैं। कुछ समय पहले तक, वह पंजाब में पार्टी के मुख्य संकटमोचक भी थे, जो अमरिंदर सिंह बनाम नवजोत सिंह सिद्धू के विवाद को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे।

सितंबर में, कांग्रेस ने सिद्धू का साथ देते हुए अमरिंदर सिंह को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। इसमें रावत को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखा गया था। जिसके बाद अमरिंदर सिंह ने पार्टी छोड़ दी थी और अपनी पार्टी शुरू की। इसके कुछ दिनों बाद ही हरीश रावत ने अपनी पंजाब में भूमिका से मुक्त होने के लिए कहा था ताकि वे अपने गृह राज्य उत्तराखंड पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

यूरोप में जल्द आने वाली है ओमिक्रॉन की 'सुनामी', जल्द लगाना लगाया जाना चाहिए बूस्टर डोज़ : डा क्लूज

वियना (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शीर्ष अधिकारी ने यूरोपीय देशों की सरकारों को सावधान करते हुए कहा है कि अगर पर्याप्त सावधानी नहीं बरती गई तो यूरोपीय देशों में ओमीक्रोन की सुनामी आ सकती है। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट से बचने के लिए वैक्सीन की बूस्टर डोज के व्यापक इंतजाम करने की सलाह दी है। डब्ल्यूएचओ के स्थानीय निदेशक डा हैंस क्लूज ने कहा कि कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट दुनियाभर के देशों में तेजी से लोगों को संक्रमित कर रहा है। भारत में ओमिक्रॉन के दो सौ से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

डॉ हैंस क्लूज ने वियना में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि हम एक और तूफान को आते देख सकते हैं। क्लूज ने कहा, कुछ ही सप्ताह में ओमिक्रॉन यूरोप के और अधिक देशों में हावी हो जाएगा, जिसके चलते पहले ही बुरे दौर से गुजर रही स्वास्थ्य व्यवस्थाएं और प्रभावित होंगी। क्लूज ने कहा ओमिक्रॉन अब तक 38 देशों में पाया जा चुका है। ब्रिटेन, डेनमार्क और पुर्तगाल में यह पहले ही हावी हो चुका है।

उन्होंने कहा पिछले सप्ताह क्षेत्र में कोरोना वायरस के चलते 27 हजार लोगों की मौत हुई और 26 लाख अतिरिक्त मामले सामने आए हैं। हालांकि इन मामलों में सभी स्वरूपों के संक्रमण के मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा यह संख्या पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। क्लूज ने कहा, कोविड-19 मामलों की बढ़ती तादाद के परिणामस्वरूप और अधिक लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया जा सकता है। उन्होंने यूरोपीय देशों से अपने-अपने नागरिकों को जल्द से जल्द बूस्टर डोज़ देने की अपील की है।

उन्होंने कहा ओमिक्रॉन से बचने का एकमात्र उपाय है वैक्सीन की बूस्टर डोज। क्लूज ने कहा अब तक यूरोप में ओमिक्रॉन के शुरुआती मामलों में से 89 फीसदी केस आम कोविड-19 लक्षणों जैसे खांसी, गले में खराश और बुखार से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि 20 से 30 साल की उम्र के लोगों में ये वैरिएंट ज्यादा हमला कर रहा है। अभी तक देखा गया है कि ज्यादातर केस वहां बिगड़े हैं, जहां ज्यादा सभाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा, नए कोविड-19 संक्रमण को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस बार काफी लोगों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत होगी।

उत्तराखंड : हाईकमान पर सीधे निशाना साध हरीश रावत ने चुनाव में फ्री हैंड देने का बनाया दबाव

नई दिल्ली। उत्तराखंड में कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को अपने कंधे पर उठा कर चल रहे दिग्गज नेता हरीश रावत ने चुनावी रीति-नीति के संचालन की स्वतंत्रता देने की बजाय उनकी घेरेबंदी किए जाने का खुले तौर पर सवाल उठाते हुए पार्टी में भारी हलचल मचा दी है। रावत ने पार्टी हाईकमान के सिपहसालारों की इस कोशिश पर अपनी व्यथा का सार्वजनिक इजहार कर चुनावों को लेकर कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाते हुए उन्हें फ्री हैंड देने का जवाबी दबाव भी बना दिया है।

पंजाब से लेकर गोवा जैसे अपने मजबूत परंपरागत राजनीतिक गढ़ वाले राज्यों में अलग-अलग चुनावी सिरदर्दी से रूबरू हो रही कांग्रेस के नेतृत्व के लिए चुनाव से ऐन पहले हरीश रावत को किनारे करने जैसा जोखिम लेने का विकल्प नहीं बचा है। पार्टी सूत्रों ने स्वीकार किया कि हरीश रावत ने चुनावी रणनीति के संचालन में उनके पैर खींचे जाने को लेकर अपनी जो खीज जाहिर की है उसका सीधा निशाना कांग्रेस हाईकमान विशेषकर पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी की ओर है। राहुल के करीबी माने जाने वाले नई पीढ़ी के नेता देवेंद्र यादव उत्तराखंड के प्रभारी हैं और सूबे में हाल के दिनों में कई ऐसे लोगों को चुनाव से लेकर संगठन में नियुक्ति करायी हे जो हरीश रावत के विरोधी रहे हैं।

रावत खेमे का कहना है कि पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बेहतर करने की बजाय हाईकमान की ओर से आगे बढ़ाए जा रहे नेता कांग्रेस की उम्मीदों को ही पलीता लगा रहे हैं। इसीलिए रावत ने टवीट के जरिए न केवल अपनी खीज जाहिर की बल्कि हाईकमान को भी सीधे लपेटे में लेते हुए कहा कि सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं और जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। उत्तराखंड के सीएम ने लंबे टवीट की अपनी श्रृंखला के इस अंश में सीधे तौर देवेंद्र यादव को निशाना बनाते हुए राहुल गांधी की सूबे की चुनावी रणनीति पर परोक्ष सवाल उठाते हुए साफ कर दिया कि चुनाव में सहयोग करने की बजाय उनके पांव खींचे जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि हरीश रावत सूबे में चुनावी रणनीति को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखना चाहते हैं और इसी वजह से प्रदेश कांग्रेस तथा कुछ जिलों में हुई अध्यक्षों की नियुक्ति उनकी पसंद से नहीं की गई है। इसके उलट नियुक्त किए गए लोगों में अधिकांश रावत के विरोधी खेमे नेता विपक्ष प्रीतम सिंह के समर्थक माने जाते हें।

हालांकि, हाईकमान ने चुनाव अभियान समिति का प्रमुख बनाते हुए हरीश रावत को सूबे का चुनावी जिम्मा सौंप दिया था और उनकी पसंद से ही गणेश गोदियाल को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन चुनाव निकट आने को देखते हुए रावत अब इस बात के लिए हाईकमान पर दबाव बना रहे हैं कि कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करना चाहते हैं कि टिकट बंटवारे में भी उनका वर्चस्व बना रहे और पार्टी में यह बात छिपी नहीं रह गई कि देवेंद्र यादव इस कोशिश में जुटे हैं कि कांग्रेस का सब कुछ रावत के इर्द-गिर्द होकर ही सीमित न रह जाए।

उत्तराखंड में कांग्रेस के पास रावत से बड़ा कोई चेहरा नहीं है ओर इसलिए पूर्व सीएम ने अपने राजनीतिक अनुभव का दांव चलते हुए ट्वीट के जरिए सीधे हाईकमान को लपेटे में ले लिया है। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने और नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के प्रयोग के बाद भी अब तक वहां की सियासी सिरदर्दी से पार्टी नेतृत्व नहीं उबरा है और चुनाव दस्तक दे रहे हैं। इसी तरह गोवा में भी पार्टी के तमाम विधायक दल बदल कर दूसरी पार्टियों का दामन थाम चुके तो कई बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ वहां कांग्रेस को गहरी मुसीबत में डाल दिया है। उत्तरप्रदेश में कांग्रेस की चुनौती तो मुख्य चुनावी धारा में बने रहने की ही है और मणिपुर में भी भाजपा से उसका मुकाबला आसान नहीं है। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व पर हरीश रावत को चुनाव में फ्री हैंड देने का दबाव तो बढ़ ही गया है।

कोरोना की बूस्टर खुराक देना कब शुरू करेगी केंद्र सरकार : राहुल गांधी

नयी दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश की बड़ी आबादी का अब तक टीकाकरण नहीं किया जा सका है, ऐसे में सरकार को बताना चाहिए कि लोगों को टीके की तीसरी खुराक (बूस्टर डोज) देना कब शुरू किया जाएगा। उन्होंने टीकाकरण के आंकड़ों का एक चार्ट साझा करते हुए ट्वीट किया बहुतायत आबादी का अब तक टीकाकरण नहीं हुआ है। सरकार बूस्टर खुराक देना कब शुरू करेगी?

कांग्रेस नेता ने जो चार्ट साझा किया है, उसमें कहा गया है कि टीकाकरण की मौजूदा गति से 31 दिसंबर, 2021 तक देश की 42 प्रतिशत आबादी का ही टीकाकरण हो सकेगा और इस वर्ष के खत्म होने तक 60 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल के आखिरी सप्ताह में प्रतिदिन 6.1 करोड़ खुराक देनी पड़ेगी। इसमें यह भी दर्शाया गया है कि पिछले एक सप्ताह के दौरान प्रतिदिन औसतन 58 लाख खुराक दी गई।

लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान 11 बिल दोनों सदनों से हुए पास

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया। हालांकि, इस दौरान 11 बिल संसद के दोनों सदनों से पारित कराए गए हैं। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि इस बार लोकसभा की उत्पादकता 82 फीसदी रही है जबकि राज्यसभा की उत्पादकता 48 फीसदी रही। प्रहलाद जोशी ने कहा कि सरकार ने हमेशा कहा है कि हम सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महंगाई पर चर्चा मांगी, हम तैयार हो गए, लेकिन वो चर्चा नहीं कर पाए। संसदीय कार्यमंत्री ने आगे कहा कि चुनाव सुधार वाला बिल स्टैंडिंग कमेटी में चर्चा के बाद ही लाया गया है। लड़कियों की उम्र बढ़ाने वाले बिल को प्रहलाद जोशी ने कहा कि जहां तक शादी की उम्र बढ़ाने वाला बिल है, हम चाहते थे कि उस पर विस्तृत चर्चा हो, इसलिए स्टैंडिग कमिटी को भेजा गया है। इसके साथ ही, प्रहलाद जोशी ने क्रिप्टोकरेंसी बिल को लेकर कहा कि संभावना थी कि वो बिल आएगा, हमें कहा गया था कि लाया जा सकता है, संबंधित मंत्रालय ही इसको देखेगा।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश की पत्नी और बेटी कोरोना संक्रमित

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी और पूर्व सांसद डिंपल यादव और बेटी टीना कोरोना संक्रमित हुई हैं। डिप्टी सीएमओ मिलिंद वर्धन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है।मिलिंद ने बताया कि डिंपल यादव और उनकी बेटी टीना को कोई सिम्प्टम नहीं है।फिलहाल दोनों होम आइसोलेशन में हैं। गौरतलब है कि दूसरी लहर के दौरान अखिलेश भी पॉजिटिव हुए थे।हालांकि, कुछ एहतियात बरतने के बाद उनकी रिपोर्ट निगेटिव आ गई थी।बता दें कि देश-दुनिया में ओमिक्रॉन की दहशत के बीच एक बार फिर से उत्तर प्रदेश में कोरोना सिर उठाने लगा है।बीते 24 घंटे में राज्य में कोरोना के 23 नए मामले सामने आए हैं, जिससे एक बार फिर योगी सरकार हरकत में आ गई है।

गोवा को मेरी छठीं गारंटी: हम गोवा को पहली भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे: सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज गोवा निवासियों को अपनी छठीं गारंटी देते हुए कहा कि हम गोवा को पहली भ्रष्टाचार मुक्त और कट्टर ईमानदार सरकार देंगे। हमारी सरकार बनने के बाद गोवा के अंदर मंत्री या विधायक स्तर पर भ्रष्टाचार बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गोवा में सारा पैसा नेताओं की जेब में जा रहा है। अब एक-एक रुपए जनता के उपर खर्च किए जाएंगे। अगर कोई गड़बड़ी करेगा, तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वह सीधा जेल जाएगा और सारा पैसा वसूला जाएगा। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा में कोई भी काम बिना पैसे दिए नहीं होता है। हम इस पेटी करप्शन को बंद करेंगे। दिल्ली की तरह गोवा में भी डोरस्टेप डिलीवरी ऑफ सर्विसेज शुरू करेंगे और आपका सारा काम आपके घर आकर किया जाएगा। इसके साथ ही हम गोवा को छोड़कर जा चुकीं इंडस्ट्री को वापस लेकर आएंगे और कारोबारियों को कारोबार करने का स्कोप देंगे। हमारी सरकार बनने के एक महीने के अंदर आपको गोवा सरकार की कार्य प्रणाली में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज गोवा में एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गोवा निवासियों को अपनी छठीं गारंटी दी। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत की राजनीति में यह गारंटी शब्द पहली बार प्रस्तुत किया गया है।

कांग्रेस नेता खड़गे ने एकजुट होकर सरकार से लड़ने के लिए विपक्षी पार्टियों के लोगों को शुक्रिया कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र समयपूर्व अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। जिसके बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह जो शीत सत्र शुरू हुआ वह निलंबन के साथ शुरू हुआ। जिस दिन सदन शुरू हुआ उसी दिन हमारे 12 सदस्यों को निलंबित किया गया। ये वे 12 सदस्य हैं जो हमेशा राज्यसभा में सक्रिय रहते हैं।घटना मानसून सत्र में हुई, लेकिन सरकार के द्वारा कार्यवाही शीत सत्र में की गई। इसी बीच खड़गे ने विपक्षी पार्टियों के लोगों को शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि हम एकजुट होकर यह लड़ाई लड़ी।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मानसून सत्र में जो हुआ था,वहां दुख की बात है और मैं सभी की तरफ से खेद व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि 29 नवंबर से हम प्रयास कर रहे थे कि कोई न कोई रास्ता निकाला जाएगा लेकिन अफसोस की बात है कि हमारी बात नहीं मानी गई। क्योंकि 12 सांसदों के निलंबन के बाद राजग राज्यसभा में बहुमत में आ गई।

वहीं कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सदन चलाने का हमारा इरादा था, लेकिन जब अजय मिश्रा टेनी का मामला आया,तब हमने सरकार से सवाल किया। नैतिकता के आधार पर अजय मिश्रा टेनी को बर्ख़ास्त करना चाहिए था।सरकार ने सदन में बहुमत के बुलडोजर के सहारे विपक्ष को दबाकर सदन को ठप्प करने का तनाव पैदा किया।

भारतीय सेना में शामिल हुआ स्वदेशी बख्तरबंद वाहन एईआरवी का पहला सेट

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर भारत और चीन के बीच में लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ भी हमारे रिश्ते अच्छे नहीं हैं। ऐसे में देश की तीनों सेनाएं खुद को मजबूत बनाने में जुटी हैं। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अगली पीढ़ी के बख्तरबंद इंजीनियर टोही वाहन (एईआरवी) और अन्य उपकरणों के पहले सेट को सेना की इंजीनियर्स कोर को सौंपा है।

सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने पुणे के पास खड़की में बॉम्बे इंजीनियर ग्रुप (बीईजी) में एक समारोह में वाहनों को शामिल किया और उन्हें झंडी दिखाकर रवाना किया। इस बख्तरबंद इंजीनियर टोही वाहन की सबसे खास बात यह है कि ये पूरी तरह से स्वदेशी है। इस

जन हितैषी

घाटी में आतंकी बौखलाए

एक तरफ जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने की कोशिश हो रही है, दूसरी ओर सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों और आतंकी हमलों में तेजी आई है। श्रीनगर के जेवन इलाके में भारतीय रिजर्व पुलिस बल की बस पर अंधाधुंध गोलियां बरसाया जाना इसका ताजा उदाहरण है। इस घटना से एक दिन पहले सीमा पार से घुसपैठ करने वालों के दल में शामिल एक महिला आतंकी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। इसके दो दिन पहले बांदीपोरा में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड से हमला किया, जिसमें तीन जवान शहीद हो गए। ये घटनाएं न सिर्फ केंद्र के लिए चुनौती हैं, बल्कि घाटी में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली को विलंबित भी करेंगी। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटाए जाने के बाद वहां सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। लंबे समय तक वहां कर्फ्यू की स्थिति रही। संचार सेवाएं बाधित रहीं, लोग लगभग अपने घरों में बंद थे। उस दौरान आतंकी गतिविधियां भी रुक गई थीं। मगर जैसे ही सुरक्षा इंतजाम कुछ नरम किए गए, संचार सेवाएं खुल गईं, घाटी में जन-जीवन सामान्य होना शुरू हुआ, वैसे ही फिर से आतंकी हमले शुरू हो गए। माना जा रहा था और सरकार भी दावा कर रही थी कि अब घाटी में आतंकवादी संगठनों की कमर टूट चुकी है और जो थोड़े-बहुत बचे हैं, वे हताशा में हमले कर रहे हैं। इसके अलावा उन लोगों की भी बड़े पैमाने पर धर-पकड़ हुई, जो आतंकवादियों को वित्तीय मदद पहुंचाया करते थे। हुर्रियत नेताओं और उनके बैंक खातों पर पहले ही शिकंजा कसा जा चुका है। इन सबके मद्देनजर दावा किया जा रहा था कि घाटी में आतंकियों की पैठ समाप्त हो गई है। युवाओं को गुमराह करने वाले संगठनों पर नकेल कसी जा चुकी है। मगर जिस तरह वहां फिर से आतंकवाद ने सिर उठाना शुरू किया है, उससे चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। पुलिस की बस पर हमला करने की योजना किसी नौसिखिया आतंकवादी या कमजोर संगठन का काम नहीं माना जा सकता। इस घटना ने पुलवामा का जख्म हरा कर दिया है। सीमा पार से आ रहे दल में से मारी गई महिला आतंकी की घटना से यह स्पष्ट है कि घुसपैठ की घटनाओं पर विराम लगाने में हमें पूरी तरह सफलता नहीं मिल पाई है। फिर इससे यह भी संकेत मिलता है कि पाकिस्तान की जमीन पर तैयार किए जा रहे चरमपंथियों में अब हर तरह के लोगों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान की तरफ से सेना के शिविरों पर ड्रोन मंडराने की घटनाएं भी बहुत पुरानी नहीं हुई हैं। यानी पाकिस्तान अब घाटी में हर तरह से अस्थिरता पैदा करने की कोशिश में जुट गया है। विशेष दर्जा हटाए जाने को लेकर पैदा हुई उसकी झुंझलाहट अब फिर से उभरनी शुरू हो गई है। इस पर नकेल कसने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है।

मतदान और आधार-कार्ड: कुछ सवाल

आधार-कार्ड को मतदाता पहचान-कार्ड से जोड़ने के विधेयक को लोकसभा ने पारित कर दिया है। वह राज्यसभा में भी पारित हो जाएगा लेकिन विपक्ष ने इस नई प्रक्रिया पर बहुत-सी आपत्तियां की हैं। उनकी यह आपत्ति तो सही है कि बिना पूरी बहस किए हुए ही यह विधेयक कानून बन रहा है लेकिन इसकी जिम्मेदारी क्या विपक्ष की नहीं है। विपक्ष ने सदन में हंगामा खड़ा करना ही अपना धर्म बना लिया है तो सत्तापक्ष उसका फायदा क्यों नहीं उठाएगा ? वह दनादन अपने विधेयकों को कानून बनाता चला जाएगा। जहां तक आधार कार्ड को मतदाता-कार्ड के साथ जोड़ने का सवाल है, पहली बात तो यह है कि ऐसा करना अनिवार्य नहीं है याने कोई मतदाता पंजीकृत है और उसके पास अपने मतदाता होने का परिचय पत्र है और आधार-कार्ड नहीं है तो उसे वोट डालने से रोका नहीं जा सकता। तो फिर यह बताएं कि आधार कार्ड की जरुरत ही क्या है? इसकी जरुरत बताते हुए सरकार का तर्क यह है कि कई लोग फर्जी नामों से मतदान कर देते हैं और कई लोग कई बार वोट डाल देते हैं। यदि आधार-कार्ड और मतदाता पहचान-पत्र साथ-साथ रहेंगे तो ऐसी धांधली करना असंभव होगा। यह ठीक है लेकिन यदि किसी व्यक्ति के पास सिर्फ आधार कार्ड है तो क्या उसे वोट डालने का अधिकार होगा? आधार-कार्ड तो ऐसे लोगों को भी दिया जाता है, जो भारत के नागरिक नहीं हैं लेकिन भारत में रहते हैं। वह तो एक तरह का प्रामाणिक पहचान-पत्र है। यदि आधार-कार्ड के आधार पर वोट डालने का अधिकार नहीं है तो मतदान के समय उसकी कीमत क्या होगी? जिनके पास आधार-कार्ड नहीं है या जो उसे सबको दिखाना नहीं चाहते, उन्हें भी वोट देने का अधिकार होगा तो फिर इस कार्ड की उपयोगिता क्या हुई? आधार-कार्ड में उसके धारक की निजता छिपी होती है। उसके नंबर का दुरुपयोग कोई भी कर सकता है। इसी आधार पर विपक्षी सांसदों ने इस प्रावधान का विरोध किया है। यदि मतदान करते वक्त मतदाता के आधार कार्ड से उसके नाम और नंबर का पता चल जाए और उसे मतपत्र से जोड़ दिया जाए तो यह आसानी से मालूम किया जा सकता है किसने किसको वोट दिया है याने गोपनीयता भंग हो गई। इस डर के मारे हो सकता है कि बहुत-से लोग वोट डालने ही न जाएं। यह भी तथ्य है कि अभी तक 131 करोड़ लोगों ने अपना आधार कार्ड बनवा लिया है। लेकिन यदि इस विधेयक पर विस्तार से बहस होती तो इसकी कमियों और उनसे पैदा होनेवाली शंकाओं को दूर किया जा सकता था। मतदान की प्रक्रिया को प्रामाणिक बनाने के एक उपाय की तरह यह कोशिश जरुर है लेकिन इस पर सांगोपांग बहस होती तो बेहतर होता। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

23 दिसम्बर 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

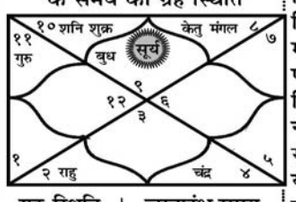

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	08.15 बजे से
चंद्र	कर्क में	कुंभ	10.02 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	11.34 बजे से
बुध	धनु में	मेष	13.05 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	14.45 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	16.43 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	18.57 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	21.13 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	23.25 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		तुला	01.35 बजे से
		वृश्चिक	03.50 ब.से
		धनु	06.06 बजे से

गुरुवार 2021 वर्ष का 357 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 18.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 02.41 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 12.11 बजे को समाप्त।
करण बालव 18.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871106
जूलियन दिन 2459571.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1443
महीना जमादि उलावल
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पूंजीवाद का चरम-सारी दुनिया मानसिक अवसाद में

-पूंजीवाद और कोरोना महामारी के बाद 50 फीसदी आबादी मनोरोगी

सारी दुनिया में आत्महत्या की घटनायें बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया के देश पूंजीवादी व्यवस्था के गुलाम बनकर रह गए हैं। पिछले 25 वर्षों में पूंजीवादी व्यवस्था ने आम लोगों का चैन छीन लिया है। गरीब और अमीर सभी भौतिक सुविधाओं और ज्यादा से ज्यादा कमाई करने के चक्कर में प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। प्रतिस्पर्धा के कारण चिंता, अवसाद और बेचैनी के चलते करोंडों लोग मनोरोगी हो गए हैं। आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ने से भारत सहित दुनिया के सभी देशों में गरीब और मध्यमवर्ग क़र्ज़ के बोझ से कराह रहा है। कोरोना महामारी, आर्थिक मंदी, महंगाई और बेरोजगारी के कारण नशे की लत आम लोगों में बढ़ती जा रही है। वहीं आर्थिक समस्याओं तथा कर्ज के बोझ से भारत जैसे देश में पिछले दो वर्षों में आत्महत्या करने वालों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। छात्र, युवा, प्रेमी-प्रेमिका, परिवार की जरुरतें पूरी नहीं कर पाने से सामूहिक आत्महत्या, कर्ज के बोझ से दबकर उद्योगपति, व्यापारी, किसानों में आत्महत्या की घटनायें बड़ी संख्या में भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में बढ़ रही हैं।

रिश्तों में तनाव

परिवार के सदस्यों तथा आम लोगों के बीच हर समय छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने से पारिवारिक सुख-शांति खत्म हो गई है। बड़ों के प्रति सम्मान खत्म हो रहा है। हर कोई निराशा के बीच छोटी-छोटी बातों में लड़ाई झगड़े करने लगा है। जिसके कारण अपराधिक घटनायें भी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। पूंजीवाद का दुष्प्रभाव अब सामाजिक जीवन में स्पष्ट रुप से मानसिक अवसाद के रुप में दिख रहा है।

धर्म-कर्म, साधु-संत, सरकारों की चुप्पी

सामाजिक स्तर पर भारी तनाव के कारण आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। धार्मिक एवं सामाजिक नैतिकता समाप्त होती जा रही है। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी अनैतिक तरीके अपनाये जा रहे हैं। इसके बाद भी धार्मिक मान्यताओं को लेकर साधु-संत, मुल्ला-मौलवी, ईसाई-फादर धार्मिक गुरुओं का मौन, सरकारों की अनदेखी आश्चर्यचिकित करने वाली है। आर्थिक कारणों से आम आदमी हिंसक होकर आपराधिक कृत्य कर रहे हैं। आर्थिक कारणों से चोरी, डकैती, लूट और हत्यायें हो रही हैं। इसके बाद भी पूंजीवादी व्यवस्था का सरकारों द्वारा समर्थन करने से जनता और शासक वर्ग के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। आम जनता अवसाद के कारण मानसिक एवं शारीरिक रुप से बीमार होती जा रही है।

दक्षिण कोरिया से सबक लें

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दक्षिण कोरिया ने सामाजिक एवं आर्थिक स्तर पर बड़ी तेजी के साथ प्रगति कर सारी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया था। बच्चों को पूंजी की अहमियत स्कूल में ही सिखा दी जाती थी। पूंजीवादी व्यवस्था विशेष रुप से वैश्विक व्यापार संधि (डब्ल्यूटीओ) के बाद दक्षिण कोरिया की 73 फीसदी आबादी मनोरोगी हो गयी है। दक्षिण कोरिया के नागरिकों को शांति और आर्थिक सम्पन्नता के लिए जाना जाता था। वर्तमान में दक्षिण कोरिया की 73 फीसदी आबादी आर्थिक विषमता और तनाव के कारण गुस्से और झगड़ा कर रही है। काम के बोझ और आर्थिक तंगी के कारण अधिकांश आबादी निराशा में डूबी हुई है। दक्षिण कोरिया की आबादी अब एकांत प्रिय हो रही है। तनाव से मुक्ति पाने लोग मनोरोग चिकित्सों के पास पहुंच रहे हैं। पूंजीवाद का वर्तमान स्वरुप अब उन्हें पूंजीवाद की दौड़ से बाहर होने के लिए विवश हैं। भौतिक सुविधाओं से दूर-दराज के शांत इलाकों में जाकर शांति प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने सही मायने में पूंजीवादी व्यवस्था से थक-हारकर मानसिक शांति के साथ जीवन जीने के लिए दक्षिण कोरिया के लोगों ने नवीन प्रयास शुरु कर दिये है।

सबसे ज्यादा आत्महत्या

औद्योगिक दुनिया में सबसे ज्यादा आत्महत्या करने वाले देश के रुप में दक्षिण कोरिया की पहचान बनी है। यहां के लोग संवेदनशील होते हैं। पूंजीवादी व्यवस्था के दुष्प्रभाव से उपजे तनाव के बाद आत्महत्या यहां की सबसे बड़ी समस्या बन गई है।

अमेरिका भी अछूता नहीं

2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के बाद अमेरिका जैसे देश में मनोरोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। न्यूयांर्क टाइम्स की सर्वे रिपोर्ट में 1320 मानसिक डाक्टरों से चर्चा के बाद बताया गया है, कि अमेरिका में मनोरोगियों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। चिकित्सकों के पास बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। डाक्टरों द्वारा जानकारी दी गई कि एक सप्ताह से लेकर तीन माह बाद का समय रोगियों को परीक्षण और इलाज के लिए दिया जा रहा है। अमेरिका में 2008 के बाद से मनोरोगियों की संख्या बढ़नी शुरु हुई थी। कोरोना महामारी के बाद मानसिक रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। आर्थिक तंगी, नौकरी की चिंता, बेरोजगारी, नशे की लत तथा बीमारी के कारण अमेरिका के नागरिक दु:ख और हताशा के साथ जीवन जी रहे हैं। आम नागरिक अपनी वर्तमान स्थिति से डूब चुके हैं। निराशा और हताशा के कारण पति-पत्नी और बच्चों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव से निपटने के लिए अब डाक्टरों की सुविधा ना मिल मिल पाने से यह समस्या और भयावह होती जा रही है। (लेखक/ईएमएस- सनत जैन)

जब प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा था एक किसान!

''वह बेहद सादे लिबास में रहते थे। धोती कुर्ता और सिर पर टोपी,यही उनका पहनावा था। एंबेसडर कार में चला करते थे। वह जहाज़ पर उड़ने के ख़िलाफ़ थे और प्रधानमंत्री होने के बावजूद लखनऊ रेल से जाया करते थे।अगर घर में कोई अनावश्यक बल्ब जला हुआ है तो वह डांटते थे कि इसे तुरंत बंद करो।वास्तव में चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने देश से कम से कम लिया और देश को अधिकतम दिया।''चौधरी चरण सिंह का जन्म सन1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में एक मध्यम वर्गीय किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने सन1923 में बीएससी की और आगरा विश्वविद्यालय से सन 1925 में एमएससी की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद एलएलबी की और गाजियाबाद से वकालत पेशे की शुरुआत की। बाद में वे मेरठ आ गये और कांग्रेस में शामिल होकर अपने राजनीतिक सफर को शुरू किया।

सन 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए वह पहली बार चुने गए ।इसके बाद सन 1946, सन 1952, सन1962 एवं सन1967 में उन्होंने विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे सन1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून सन1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और न्याय तथा सूचना विभाग का प्रभार दिया गया। बाद में सन 1952 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल सन1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था।

मुख्यमंत्री सी.बी. गुप्ता के शासनकाल में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। श्रीमती सुचेता कृपलानी की सरकार में वे कृषि एवं वन मंत्री रहे। उन्होंने सन1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं सन1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया।

कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी सन1970 में वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि बाद में राज्य में 2 अक्टूबर सन1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।

श्री चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की राजनीतिक सेवा की। उनकी ख्याति एक कड़क नेता के रूप में हो गई थी । प्रशासन में अक्षमता, भाई – भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को वे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे।

उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह अधिनियम खेती की जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ,ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके।

देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रहकर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की । एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चौधरी चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिला।

चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें लिखी जिनमें 'ज़मींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि,'प्रिवेंशन ऑफ़ डिवीज़न ऑफ़ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्' आदि प्रमुख हैं।

उनका रौबीला व्यक्तित्व था, जिसके सामने लोगों की बोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी. उनके चेहरे पर हमेशा परिपक्वता होती थी। वे हमेशा संजीदा बातचीत करते थे और बहुत कम मुस्कुराते थे. उन्हें कभी ठहाके मारकर हंसते हुए शायद ही किसी ने देखा हो।वह उसूलों के पाबंद थे और बहुत साफ़-सुथरी राजनीति के पक्षधर थे।''

''राष्ट्रीय आंदोलनो के दौरान वह महात्मा गाँधी और कांग्रेस की मिट्टी में तपे थे।सन1937 से लेकर सन1977 तक वह छपरौली - बागपत क्षेत्र से लगातार विधायक रहे. प्रधानमंत्री बनने के बावजूद उनके साथ किसी तरह का कोई लाव - लश्कर नही चलता था।

कोर्टपीस खेलने के शौकीन

चौधरी चरण सिंह से लोगों का रिश्ता दो तरह का हो सकता था - या तो आप उनसे नफ़रत कर सकते थे या असीम प्यार. बदले में आपको भी या तो बेहद ग़ुस्सा मिलता था या अगाध स्नेह. उनका व्यवहार कांच की तरह पारदर्शी और ठेठ देहाती बुज़ुर्गों जैसा हुआ करता था।

''बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि वह संत कबीर के बड़े अनुयायी थे।कबीर के कितने ही दोहे उन्हें याद थे।वे 'एचएमटी' घड़ी बाँधते थे और पूर्णत: शाकाहारी थे।तंबाकू और सिगरेट का तो सवाल ही नहीं था।''

स्व. चौधरी चरण सिंह ने आगरा कॉलेज आगरा से एलएलबी किया था। वे आगरा कॉलेज के सप्रू हॉस्टल के रूम नंबर 27 में रहते थे। चौधरी चरण सिंह का रसोईया वाल्मीकि समाज से था। उनके साथ शिक्षारत विद्यार्थियों ने इस बात का विरोध किया, लेकिन चौधरी चरण सिंह उस रसोइये के समर्थन में रहे, उन्होंने कहा कोई उंचा नीचा नहीं होता । चौधरी चरण सिंह की इस सोच ने सबका दिल जीत लिया।

वेआगरा के फतेहपुरसीकरी विधानसभा और किरावली ब्लॉक के गांव सरसा में मुख्यमंत्री बनने के बाद आये थे। गांव में आने का उद्देश्य महज औचक निरीक्षण करना था। चौधरी चरण सिंह के साथ जिलाधिकारी भी थे। जब गांव में चौधरी चरण सिंह और जिलाधिकारी एक स्थान पर कुर्सी पर बैठे, तो वहां कुछ बुजुर्ग किसान उन्हें खड़े हुये दिखाई दिए । इस पर चौधरी चरण सिंह ने जिलाधिकारी को किसान के लिए कुर्सी छोडने को कहा। उन्होंने कहा कि इन किसानों को कुर्सी दो, क्योंकि अधिकारी जनता का सेवक होता है, मालिक नही।उनका यही गुण उन्हें साधारण किसान से प्रधानमंत्री की कुर्सी तक लेकर गया। किसान नेता चौधरी चरण सिंह की यादे हमेशा जिंदा रहेगी क्योंकि उनकी यह सोच कि देश की तरक्की का रास्ता खेतो और खलियानों से होकर जाता है,आज भी सार्थक है और हमेशा यह सोच प्रासंगिक रहेगी।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है) (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट /ईएमएस)

आज का इतिहास 23 दिसंबर

1465 अहमदनगर,बीदर,बीजापुर और गोलकुंडा की संयुक्त फौजों ने विजयनगर के विरुपाख द्वितीय को पराजित किया.
1832 एंटवर्थ पर फ्रांस के कब्जे के बाद हालैंड ने बेल्जियम की स्वतंत्रता को मान्यता दी.
1912 वायसराय लार्ड हार्डिंग हाथी पर सवार होकर दिल्ली में घुसे लेकिन बम विस्फोट में घायल हो गए.
1926 स्वामी श्रद्धानंद की हत्या हुई.
1929 लार्ड इर्विन ने गांधी जी का अपने निवास पर स्वागत किया.
1948 जापान के पूर्व प्रधानमंत्री हिदेकी तोजो और छह अन्य लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया.
1968 भारत का पहला मौसम संबंधी राकेट मेनका प्रक्षेपित किया गया.
1969 चांद से लाए गए पत्थर को प्रदर्शनी में रखा गया.
1972 मानागुवा में भूकंप से दस हजार से अधिक लोग मारे गए.
1993 प्रत्येक सांसद को अपने क्षेत्र में एक करोड़ की विकास योजनाओं के अधिकार देने की घोषणा.
2003 महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल ने त्यागपत्र दिया.
2004 पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहराव का निधन.

तीनों कृषि कानूनों की वापसी मोदी सरकार के लिए साबित हो सकता है 'मास्टर स्ट्रोक' जानें इस निर्णय के पीछे क्या हो सकती है मुख्य वजह

- साल 2021 में 19 नवंबर का दिन हमेशा याद किया जाएगा क्योंकि इसी दिन मोदी सरकार ने लंबे समय से चले आ रहे विरोध को खत्म करने के लिए तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ऐसे निर्णय की अपेक्षा शायद ही किसी को रही होगी। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी सभी के दिमाग में यही था कि पीएम गुरु नानक देव की जयंती के दिन गुरुद्वारे जाएंगे, लेकिन हुआ इसके उलट। लोगों ने ठीक से आंख भी नहीं खोली थी कि खबर आती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित कर रहे हैं। सुबह करीब 9 बजे के आस-पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम संबोधन शुरू किया। जैसे ही पीएम ने क्षमा मांगते हुए कहां कि किसानों के कुछ तबके को वह समझाने में असमर्थ रहे हैं, जिसके चलते देश हित में सरकार तीनों कृषि कानून वापस लेती है। फिर क्या था, मानों सभी अचंभित हो गए। क्योंकि करीब एक साल से किसान इस बिल के खिलाफ दिल्ली के बॉर्डरों समेत देश के कई हिस्सों में आंदोलन कर रहे हैं। इतना ही नहीं सरकार और किसान दलों की बैठक कई बार हो भी चुकी है, लेकिन वह असफल रही है। ऐसे में एक तरफ जहां विपक्ष इसे अहंकार की हार बता कर किसानों की जीत करार दे रहा है वहीं सत्ताधारी इसे सरकार का बडप्पन बता रही है।

इसके अलावा कई राजनीतिक विशेषज्ञ इसे भाजपा का मास्टरस्ट्रोक भी बता रहे हैं। क्योंकि अगले साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में भाजपा किसी भी कीमत पर खासकर यूपी-पंजाब में जीतना चाहती है। यानी इस फैसले को राजनीतिक समीकरण से भी जोड़ा जा रहा है और ऐसा होना भी ठीक कहा जा सकता है क्योंकि इतने लंबे समय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस तरह का फैसला लेकर ये साबित कर दिया कि लोकतंत्र में कुछ भी हो सकता है। वहीं सरकार के इस फैसले के बाद शासन पर सवाल खड़ा होता है कि बिना जमीनी हकीकत को जानें आपने ऐसे कानून को पास किया जिसको आज फिर आपको वापस लेने पर मजबूर होना पड़ा। इतना ही नहीं सरकार के निर्णय लेने की क्षमता पर प्रश्न उठता है। क्योंकि आप अपने ही फैसले को नकारते हुए लोगों के सामने क्षमाप्रार्थी हैं।

इसके अलावा इस फैसले को मास्टर स्ट्रोक समझना भी गलत नहीं होगा। क्योंकि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा की छवि धूमिल हो रही है। पिछले दिनों लखीमपुर में जिस तरीके से केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्र के बेटे पर किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ाने का वीडियो सोशल मीडिया पर देखा गया उसके बाद भाजपा बैकफुट पर नजर आ रही थी। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने आपको पीछे होते देख रही थी। विपक्ष लगातार इस मुद्दें को लेकर भाजपा पर हमलावर रही।

इतना ही नहीं सभी विपक्षी पार्टियां को भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मुद्दा मिल गया था। वहीं इस किसान आंदोलन के चलते पंजाब में भाजपा से अकाली दल ने अपना रिश्ता तोड़ लिया था। ऐसे में कृषि कानून की वापसी के दूरगामी परिणाम आगामी विधानसभा चुनाव में भी जरूर देखने को मिल सकते हैं। कुछ हो या ना हो लेकिन इस आंदोलन के चलते पंजाब और यूपी को अपने हाथों से खिसकते हुए भाजपा कतई नहीं देख पाती। क्योंकि भाजपा को पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में उप-चुनाव में मिली हार और आंदोलन के चलते बने उसके खिलाफ महौल को भांपते हुए यह कदम उठाया। इसके बाद अब माना जा रहा है कि पंजाब का अकाली दल और कांग्रेस से नाराज होकर अलग हुए पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह भाजपा के साथ खड़े हो सकते है, जिससे पंजाब में कांग्रेस की राह मुश्किल हो सकती है। हालांकि, कांग्रेस हर जगह अपने आंतरिक कलह से ही परेशान है क्योंकि पहले अमरिंदर सिंह को सीएम पद से हटाना उसके बाद राजस्थान में सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तनातनी के बीच कैबिनेट फेरबदल करने का फैसले के साथ पिछले दिनों छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव की कलह बहुत बड़ा फैक्टर है। इसके अलावा हाल ही में कांग्रेस पंजाब अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू का करतारपुर कॉरिडोर जाकर फिर से पाकिस्तान की प्रशंसा करना पार्टी को रेस में और भी पीछे करने का संकेत है। खैर, टक्कर की लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी फैक्टर में पीछे नहीं रह सकते हैं।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी किसानों के आंदोलन की गूंज पहुंची थी, जिसके चलते भाजपा की छवि खराब हुई थी। ऐसे में कुल मिलाकर मोदी सरकार यह फैसला कई मायने में चुनावी फैक्टर के अलावा अपनी छवि को धूमिल होने से बचाना भी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके संबोधन में कहे शब्द 'देशहित में कानून वापस लिया गया फैसला' कई मामले में सही हो सकते हैं। जैसे ही पीएम ने कहा कि देशहित में यह कानून वापस लेना पड़ रहा है। तो इससे ये नकारा नहीं जा सकता है कि किसानों की आड़ में इस आंदोलन को भारत में दंगे कराने के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। हो ना हो सरकार ने सही समय रहते यह भांप लिया था कि इस कानून की आड में होने वाले परिणाम बेहद घातक साबित हो सकते हैं। (लेखिका - पूजा सिहं / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7145

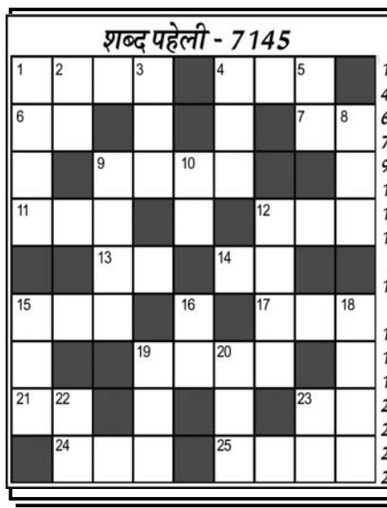

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र,शिव,भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य,अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता,बड़प्पन-4
21. गाथा,कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा,उत्साह-3
25. राजा,सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक,अलमस्त-4
2. मात,पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट,हुनर-2
8. गुनाह,अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर,खुमार,नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता,कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट,राजा-4
19. व्यंग,परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात,बड़ी थाली-2
23. हलवा,एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -7144 का हल

■	स	ला	म	त	■	ल	ल	क
दा	दा	■	न	म	न	■	■	ल
म	ला	न	■	स	र	फ	रो	श
■	र	का	बी	■	क	■	■	या
आ	■	रा	ज	■	म	न	■	अ
ल	■	■	डा	■	य	म	ज	■
म	नो	मि	ल	न	■	न	ल	का
गे	■	■	ना	र	द	■	च	र
र	वा	ना	■	क	र	ता	र	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में कांस्य जीता

ढ़ाका (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैम्पियंस ट्रॉफ

अब कोरोना का पता लगाएगी स्मार्टवॉच

- साइंटिस्टों ने एक मोबाइल ऐप माईपीएचडी तैयार किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। लक्षण नजर आने से पहले ही आपको कोरोना हैं या नहीं, इसका पता लग सकता है। ये सारी जानकारी आपको अपनी स्मार्टवॉच से ही पता चल सकती है। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के साइंटिस्टों ने कोरोना का समय से पहले पता लगाने के लिए एक मोबाइल ऐप माईपीएचडी तैयार किया है, जो स्मार्टवॉच या फिटनेस ट्रैकर के डेटा से आपको समय रहते कोरोना होने की जानकारी देगा। साइंटिस्टों का दावा है कि इस ऐप से 80 प्रतिशत यूजर्स में कोरोना संक्रमण का टेस्ट से पहले पता लगाया जा सका है।

रिसर्चर्स ने इस स्टडी के लिए 18 से 80 साल के 3300 वयस्कों के एंड्रायड या एप्पल डिवाइस में ये ऐप इंस्टाल किया। ऐप ने वयस्कों के पास पहले से मौजूद कलाई पर पहने हुए डिवाइस यानी स्मार्टवॉच या फिटनेस ट्रेकर से डेटा इकट्ठा किया और इसे एक सुरक्षित क्लाउड सर्वर पर भेज दिया। अब रिसर्सर्च इस क्लाउड सर्वर पर डेटा का एनालिसिस कर सकते थे। फिटबिट , एप्पल वॉच, गार्मिन डिवाइस और अन्य गैजेट्स में इस ऐप का इस्तेमाल किया गया। साइंटिस्टों ने प्रतिभागियों के कदमों की संख्या, हार्ट रेट और नींद के पैटर्न में बदलाव देखने के लिए एक एल्गोरिदम का यूज किया। अपेक्षा से अलग बदलाव का पता लगाने पर एल्गोरिदम अलर्ट भेजता है। इस स्टडी में हार्ट रेट में आने वाले बदलावों के बारे में काफी विस्तार से बताया गया है कि कैसे किसी व्यक्ति के इम्यून सिस्टम और हार्ट बीट एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कोरोना से संक्रमित यूजर की धड़कन में बदलाव कम देखने को मिलता है, जबकि कोरोना निगेटिव यूजर्स के दिल की धड़कन में बदलाव देखने को मिलता है।

हार्ट स्पीड में ज्यादा परिवर्तनशीलता इस ओर इशारा करती है कि यूजर का नवर्स सिस्टम काफी एक्टिव है। यह तनाव का सामना करने में ज्यादा प्रभावी हो सकता है। इस स्टडी के दौरान, नवंबर 2020 से जुलाई 2021 तक 2155 से ज्यादा यूजर्स को रोजाना रीयल-टाइम अलर्ट मिले। साथ ही 2117 प्रतिभागियों ने कम से कम एक सर्वे पूरा किया। इनमें से उन 278 लोगों में से, जिन्हें संक्रमित होने का अलर्ट मिला इनमें से 84 प्रतिभागियों ने फिटबिट या एप्पल की वॉच पहनी हुई थी। इनमें से 60 लोगों को संक्रमण की संभावना का सुझाव देते हुए अलर्ट मिले।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह तेजी अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिगग्ज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एल एंड टी के शेयरों के कारण आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 611.55 अंक करीब 1.09 फीसदी की बढ़त के साथ ही 56,930.56 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 184.60 अंक तकरीबन 1.10 फीसदी की बढ़त के साथ ही 16,955.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा करीब तीन फीसदी की बढ़त बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही। इसके अलावा भारती एयरटेल, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई के शेयर भी ऊपर आये हैं।

वहीं दूसरी ओर विप्रो, आईटीसी और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ ही घरेलू बाजार ऊपर आये हैं। इससे सभी ओर तेजी का माहौल रहा। वहीं मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में उछाल आया है। शेयरों के भाव में कमी से निवेशकों ने जमकर खरीददारी की है जिससे बाजार उछला है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था और यह धारणा आज सुबह से बाजार में कायम रही।

आयकर गणना में गलती से 12476 करोड़ का नुकसान

- कैग ने कहा, गलतियों की संभावना खत्म करे सीबीडीटी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। आयकर गणना में गलत आकलन की वजह से आयकर विभाग को 12,476 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को ऐसी गलतियों से बचने के लिए फूलप्रूफ आईटी सिस्टम और आंतरिक नियंत्रण तंत्र बनाने का सुझाव दिया है। कैग ने संसद में पेश एक रिपोर्ट में कहा है कि 12,476.53 करोड़ रुपए के 356 बड़े मामलों का ऑडिट करने के बाद पता चला कि इसमें कई तरह की गलतियां हैं। सबसे ज्यादा चूक गणितीय गणना को लेकर हुई है, जिसमें आय और कर, लेवी का ब्याज, कारोबार या पूंजी का नुकसान, मूल्यह्वास, कर छूट व निर्यात में रियायत, कारोबारी खर्च के रूप में गलत अलाउंस, आय का सही आकलन न करने जैसी त्रुटियां हैं। कैग ने बताया कि 356 बड़े मामलों में से अधिकतर में 38 तरह की सामान्य गलतियों की पहचान हुई, जिसमें 3,976.56 करोड़ के मामले शामिल थे। कर व सरचार्ज की गलत गणना, लेवी की गलत ब्याज दर और ज्यादा रिफंड जारी करना आयकर विभाग के आंतरिक नियंत्रण में कमी को दर्शाता है। इसे तत्काल दूर करने की जरूरत है। कैग ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने ऑडिट में शामिल मामलों को सुधारने और तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि ध्यान देने वाली बात ये है कि ऑडिट में सिर्फ कुछ ही मामलों को शामिल किया गया है। वास्तव में यह संख्या काफी बड़ी हो सकती है। लिहाजा सीबीडीटी को न सिर्फ अपने आकलन की समीक्षा करनी चाहिए, बल्कि भविष्य में ऐसी गलतियों से बचने के लिए मजबूत आईटी सिस्टम व आंतरिक नियंत्रण ढांचा तैयार करना होगा।

देश में रत्न, आभूषणों का निर्यात नवंबर में 4.21 प्रतिशत घटकर 17,784.92 करोड़

मुंबई (ईएमएस)। दीपावली के दौरान विनिर्माण गतिविधियों के नरम रहने के कारण देश का रत्न और आभूषणों का निर्यात नवंबर 2021 में 4.21 प्रतिशत घटकर 17,784.92 करोड़ रुपए रहा। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2020 में देश का कुल निर्यात 18,565.31 करोड़ रुपए था। दीपावली पर विनिर्माण गतिविधियों में रुकावट के कारण निर्यात में पहले से गिरावट की आशंका थी। जीजेईपीसी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि वैसे वर्ष 2021 में भारत का रत्न और आभूषण निर्यात का प्रदर्शन पिछले साल की हमारी उम्मीदों से काफी आगे रहा है। विश्व के सबसे बड़े आभूषण उपभोक्ता देश अमेरिका ने इस साल भारत से खरीदारी बढ़ा दी है। हमें इस वित्त वर्ष में 41.65 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जीजेईपीसी ने सरकार को 2022-23 के केंद्रीय बजट में विचार करने के लिए कुछ नीतिगत सुधारों की सिफारिश की है। इसमें कटे और पॉलिश किए गए हीरे, सोना और अन्य कीमती धातुओं पर आयात शुल्क में कमी समेत मुंबई तथा सूरत के विशेष अधिसूचित क्षेत्रों में कच्चे हीरों की बिक्री की अनुमति देने के लिए कराधान प्रावधानों में संशोधन शामिल है। परिषद के अनुसार तराशे गये और पॉलिश हीरों का कुल निर्यात अक्टूबर में 20.41 प्रतिशत घटकर 9,719.72 करोड़ रुपए रहा, जबकि 2020 के समान महीने में यह 12,212.79 करोड़ रुपए था। वहीं नवंबर में सोने के आभूषणों का कुल निर्यात 38.24 प्रतिशत बढ़कर 5,286.23 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,823.82 करोड़ रुपए था। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष के पहले आठ माह अप्रैल-नवंबर में चांदी के आभूषणों का निर्यात (अस्थायी) 20.47 प्रतिशत बढ़कर 12,552.39 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,419.33 करोड़ रुपए था।

इस साल देश में बढ़ी फ्यूल काड्र्स की मांग: रिपोर्ट

मुंबई (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से देश में फ्यूल काड्र्स जैसे खास क्रेडिट काड्र्स की मांग लगभग 10 गुना बढ़ गई है। देश में इस्तेमाल हो रहे कुल क्रेडिट कार्ड में फ्यूल काड्र्स की हिस्सेदारी बढ़कर 13.1 फीसदी हो गई है, जो बीते साल 4.95 फीसदी थी। अब सारे दफ्तर और स्कूल-कॉलेज खुल गए हैं, लिहाजा निकट भविष्य में भी फ्यूल काड्र्स की जोरदार डिमांड बनी रहेगी। बैंक बाजार की मनीमूड रिपोर्ट के मुताबिक इस साल क्रेडिट काड्र्स इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की संख्या करीब 50 फीसदी बढ़ी है। देश के कुल क्रेडिट कार्ड यूजर्स में महिलाओं की संख्या 12 फीसदी हो गई, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 8.41 फीसदी था। किशोरियां ज्यादा क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल कर रही हैं। होम लोन के मामले में भी इस साल बड़ा बदलाव आया है। 2021 की पहली तिमाही में होम लोन का औसत साइज बढ़कर 28.43 लाख रुपए हो गया, जो 2020 की चौथी तिमाही में 27.74 लाख रुपए था। इसके बाद कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान इस मामले में थोड़ी कमी आई लेकिन साल की तीसरी तिमाही के बाद से रिकवरी शुरू हो गई। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि देश में डेढ़ करोड़ रुपए से भी ज्यादा बड़े होम लोन की मांग निकलने लगी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फाइनेंशियल हैबिट्स के मामले में पुरुषों से महिलाएं ज्यादा सतर्क हैं। इस साल 72 फीसदी महिलाओं का क्रेडिट स्कोर 700 या इससे ज्यादा रहा, जबकि इतना क्रेडिट स्कोर वाले पुरुषों की तादाद 66 फीसदी है। यही नहीं जहां 40 फीसदी महिलाओं का क्रेडिट स्कोर 800 से ऊपर रहा, वहीं इतना स्कोर वाले पुरूष 35.6 फीसदी ही रहे।

दो सरकारी बैंकों के निजीकरण को लेकर निर्णय नहीं: वित्तमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। मंत्रिमंडल ने दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के निजीकरण पर कोई निर्णय नहीं लिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तवर्ष 2021-22 के केंद्रीय बजट में सरकार ने चालू वित्त वर्ष में दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के रणनीतिक विनिवेश की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण पर कोई निर्णय नहीं लिया है। ?वित्त मंत्री हाल ही में राज्यसभा में दो पीएसबी के निजीकरण पर एक सवाल का जवाब ?दिया। र्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण से संबंधित विधेयक को संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के लिए सूचीबद्ध किया गया है जो 23 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

अगले साल भारत में लॉन्च होंगे कई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल्स, देखने में स्पोर्टी और बैटरी रेंज शानदार

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत में साल 2022 में एक से बढ़तर एक इलेक्ट्रिक कारों के साथ ही इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल और इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च होंगे। भारत में अगले साल अल्ट्रावायलेट एफ77 इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च होने वाली है। मार्च 2022 में संभवतः लॉन्च होने वाली यह इलेक्ट्रिक बाइक स्पोर्टी लुक वाली होगी और इसकी कीमत 3 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। इसके साथ ही अगले साल फरवरी में ओकीनावा क्रूजर इलेक्ट्रिक भी लॉन्च हो सकती है, जिसकी कीमत एक लाख रुपये के आसपास हो सकती है।

भारत में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचने वाली कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक जल्द ही एई-47 ई-बाइक लॉन्च कर सकती है, जिसकी कीमत एक लाख रुपये के आसपास रह सकती है। भारत में मार्च 2022 के आसपास डेवोट मोटर्स ई-बाइक भी लॉन्च हो सकती है, जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपये हो सकती है। जुलाई 2022 में सीएफमोटो इलेक्ट्रिक बाइक आ सकती है, जिसकी संभावित कीमत 2 लाख रुपये हो सकती है। अगले साल देसी कंपनी रिवॉल्ट भी नई इलेक्ट्रिक बाइक रेवोल्ट आरवी केफ रेसर लॉन्च कर सकती है, जिसकी कीमत डेढ़ लाख रुपये के आसपास हो सकती है। सुपर सोको टीएस स्ट्रीट हंटर अगले साल डेढ़ लाख रुपये प्राइस रेंज में अगले साल के मध्य तक लॉन्च हो सकती है। अगले साल टीवीएस झेपलीन आर के भी इंडिया लॉन्च की मीडिया रिपोर्ट्स आ रही है और माना जा रहा है कि इसे 2 लाख रुपये से कम कीमत में लॉन्च किया जा सकता है।

भारत में अगले साल हार्ले डेविडसन और ट्रायंफ जैसी कंपनी भी अपनी इलेक्ट्रिक बाइक भारत में लॉन्च कर सकती है। आप भी अगर इन दिनों इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदने का मन बना रहे हैं तो कुछ दिन रुक जाएं, क्योंकि जल्द ही भारत में कई अच्छी इलेक्ट्रिक बाइक्स लॉन्च होंगी, जो किफायती कीमत में स्पोर्टी लुक और जबरदस्त बैटरी रेंज वाली हो सकती हैं।

नाटो ने आक्रामकता दिखाई तो रूसी सेना दृढ़तापूर्वक जवाबी कार्रवाई करेगी : पुतिन

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन को लेकर चल रहे विवाद के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने ने कहा अगर पश्चिम अपनी 'आक्रामक' नीति जारी रखता है, तो उनका देश जवाबी कार्रवाई करेगा। रूस ने यूक्रेन की सीमा पर करीब एक लाख सैनिकों को तैनात कर दिए हैं।

अमेरिका ने आरोप लगाया है कि रूस यूक्रेन पर हमले की तैयारी कर रहा है। पुतिन ने रूसी रक्षा मंत्रालय बोर्ड की विस्तारित बैठक में कहा अगर हमारे पश्चिमी सहयोगी अपनी स्पष्ट रूप से आक्रामक नीति जारी रखते हैं, तो हम शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों का दृढ़ता से जवाब देने के लिए पर्याप्त जवाबी सैन्य-तकनीकी का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने रोमानिया और पोलैंड सहित रूसी सीमाओं के पास अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणालियों की तैनाती पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा हमें रूस की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है।

रूसी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) यूक्रेन में मिसाइलें तैनात करते हैं, तो वे केवल 7 से 10 मिनट में मास्को पहुंचेंगी और अगर वे हाइपरसोनिक हथियार हैं, तो सिर्फ 5 मिनट में पहुंचेंगे। पुतिन ने कहा उन्हें समझना चाहिए कि हम पीछे नहीं हटने वाले हैं। रूस ने हाल ही में नाटो को एक मसौदा समझौता भेजा है और पश्चिमी देशों के लिए यूरोप में सुरक्षा गारंटी पर अमेरिका को एक मसौदा संधि पर विचार करने के लिए भेजा है।

पुतिन ने कहा रूस सशस्त्र संघर्ष और रक्तपात के खिलाफ है और कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को हल करना चाहता है, लेकिन स्पष्ट कानूनी गारंटी होनी चाहिए। पुतिन ने कहा उन्हें अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से यह आश्वासन चाहिए कि नाटो पूर्व की ओर अपना विस्तार नहीं करेगा। इसके साथ ही पुतिन ने यूरोप में बढ़ते तनाव के लिए पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया। रूस के उच्च सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक में पुतिन ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब कुछ दिन पहले पहले ही मास्को ने यूक्रेन तथा अन्य पूर्व सोवियत देशों को नाटो की सदस्यता नहीं देने संबंधी मसौदा सुरक्षा दस्तावेज पेश किए हैं।

आलू की कमी के कारण मैकडॉनल्ड्स फ्रैंच फ्राइज में कटौती करने को मजूबर

टोक्यो (ईएमएस)। एक नई तरह की कमी के चलते जापानी सप्लाई चेन प्रभावित हो रही है। इसकारण मैकडॉनल्ड्स इन दिनों फ्रैंच फ्राइज में कटौती करने को मजबूर हुआ है।कोरोना और कनाडा में बाढ़ से आलू का आयात कम हो गया है, इसकारण ये कमी हुई है। मैकडॉनल्ड्स जापान ने कहा कि वह कमी से बचने के लिए शुक्रवार से केवल एक हफ्ते में 1 दिन छोटे आकार के फ्रैंच फ्राइज की ब्रिकी करेगा।

मैकडॉनल्ड्स ने कहा, वैंकूवर पोर्ट के पास बड़े पैमाने पर बाढ़ के कारण और ग्लोबल सप्लाई चेन संकट के कारण कोरोना महामारी के कारण आलू की सप्लाई में देरी हो रही है। कंपनी ने कहा कि उसने यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए हैं कि ग्राहक अभी भी फ्राइज ऑर्डर कर सकें, भले ही 'संसाधन सामग्री की स्थिर खरीद' मुश्किल साबित हो रही हो। मैकडॉनल्ड्स ने कहा कि वे अमरीका के पश्चिमी तट पर 29 पोर्ट पर 20,000 डॉकवर्कर्स और टर्मिनल ऑप्रेटरों और शिपिंग लाइनों के बीच एक लंबे विवाद के चलते कुछ समय के लिए केवल छोटे साइज के फ्राइज ही बेचेगा।

हालांकि, मैकडॉनल्ड्स जापान ने हवाई मार्ग से 1,000 टन फ्रोजन फ्राइज इम्पोर्ट करने का आपातकालीन कदम उठाया। इस बीच, जापान की टोयोटा सहित कार निर्माताओं को महामारी के बीच शुरू हुई ग्लोबल माइक्रोचिप की कमी अब भी जारी है, जिसके कारण दक्षिण-पूर्व एशिया में संकट और सप्लाई चेन की समस्याओं के कारण प्रोडक्शन में कटौती की घोषणा की है। ऐसा पहली बार नहीं है कि मैकडॉनल्ड्स को जापान में इस तरह अपने पोर्शन में कटौती करनी पड़ी हो। 2014 में अमरीका के पश्चिमी तट पर 29 बंदरगाहों पर 20,000 डॉकवर्कर्स, टर्मिनल ऑप्रेटरों और शिपिंग लाइनों के बीच एक लंबा औद्योगिक विवाद फ्रैंच फ्राइज की कमी का कारण बना था, जिसके बाद कंपनी ने केवल 1000 टन आलू की बिक्री करते हुए फ्रैंच फ्राइज के छोटे हिस्से बेचने का आपातकालीन कदम उठाया था। गौरतलब है कि इस साल अगस्त में मैकडॉनल्ड्स ने कहा कि वह ब्रिटेन में अपने 1,250 आऊटलैट्स पर शेक और बोतल ड्रिंक्स को उपलब्ध कराने में परेशानी का सामना कर रही है।

दुबई के शासक शेख मोहम्मद को 5500 करोड़ का पड़ा तलाक

लंदन (ईएमएस)। दुबई के शासक, शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम को अपनी पत्नी से तलाक काफी महंगा पड़ गया है।उन्हें बच्चों की कस्टडी की लड़ाई को निपटाने के लिए पूर्व पत्नी को 554 मिलियन पाउंड यानी 5500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि रुपए चुकाना होगा। लंदन के हाई कोर्ट ने ये आदेश दिया है।जज फिलिप मूर ने कहा कि जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला की सौतेली बहन, राजकुमारी हया बिन्त अल हुसैन और दंपति के दो बच्चों को दी जाने वाली बड़ी राशि का मुख्य उद्देश्य उनकी आजीवन सुरक्षा सुनिश्चित करना है।जज ने कहा कि राजकुमारी हया और उनके दो बच्चों की जिंदगी पर शेख की तरफ से खतरे को देखते हुए ये राशि उन्हें दी जा रही है।

जज ने कहा,वहां सुरक्षा के अलावा अपने लिए कोई राशि नहीं मांग रही है। शादी टूटने के बाद उन्हें जो नुकसान हुआ, वहां बस उसके भरपाई की मांग कर रही हैं।जज ने शेख मोहम्मद को तीन माह के भीतर हया को उनकी ब्रिटिश हवेली के रखरखाव के लिए 251.5 मिलियन पाउंड का एकमुश्त भुगतान करने का निर्देश दिया। हया ने अदालत में शेख से गहने और घुड़दौड़ की बकाया राशि के लिए इन पैसों की मांग की थी। उनकी मांग ये भी थी कि भविष्य की सुरक्षा के लिए उन्हें ये भुगतान किया जाए।

अदालत ने शेख मोहम्मद को अपने दो बच्चों की शिक्षा के लिए भी भुगतान का आदेश दिया है। शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम संयुक्त अरब अमीरात के उपाध्यक्ष और प्रधानमंत्री हैं।उनकी 14 साल की बेटी है, जिसका नाम जलीला है और उनके 9 वर्षीय बेटे का नाम जायद है। दोनों की शिक्षा के लिए शेख को तीन मिलियन पाउंड प्रदान करने के लिए कहा गया है।शेख को 9.6 मिलियन पाउंड की बकाया राशि भी देनी होगी।

दुबई के अमीर शासक को बच्चों के भरण-पोषण और वयस्क होने पर उनकी सुरक्षा के लिए प्रति वर्ष 11.2 मिलियन पाउंड का भुगतान करने के लिए भी कहा गया है।शेख को अपने दोनों बच्चों को 290 मिलियन पाउंड बैंक गारंटी के तहत भुगतान करना होगा।लंदन के वकीलों के अनुसार राजकुमारी हया को मिलने वाली राशि ब्रिटेन में पारिवारिक विवाद के मामले में मिलने वाली अब तक की सबसे बड़ी मुआवजा राशि है। हालांकि, हया ने 1.4 बिलियन पाउंड मुआवजे की मांग की थी और उन्हें मिलने वाली राशि इसके आधे से भी कम है। लगभग सात घंटे चली कोर्ट की कार्रवाई के दौरान 47 वर्षीय हया ने कहा कि उन्हें मिलने वाला एकमुश्त पैसा उन्हें रिश्ते से निकलने में मदद करेगा और उनके बच्चों पर से शेख के प्रभाव को खत्म करेगा।

इजरायली मिसाइलों से चीन के पड़ोसी देशों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

- चीन को चोरी छिपे क्रूज मिसाइल निर्यात कर रही थीं इजरायली कंपनियां

तेलअवीव (ईएमएस)। दक्षिण चीन सागर से लेकर लद्दाख तक दादागिरी दिखा रहे चीनी ड्रैगन को इजरायली कंपनियां चोरी छिपे क्रूज मिसाइल का निर्यात कर रही थीं। इजरायल की 3 कंपनियों और 10 संदिग्धों को दोषी ठहराया गया। ये सभी आरोपी बिना अनुमति के इजरायली क्रूज मिसाइलों का चीन को निर्यात कर रहे थे। इजरायली मिसाइलों से चीन के पड़ोसी देशों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। इजरायल के सरकारी वकील के आर्थिक विभाग ने सूचित किया है कि सुरक्षा अपराधों, हथियारों के मामले में अपराध और निर्यात को लेकर किए गए अपराध के सिलसिले में आरोप पत्र दाखिल कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि क्रूज मिसाइल की निर्माता कंपनी सोलर स्काई के मालिक इफरैम मेनाशे उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने चीन की कंपनियों के साथ डील को अंजाम दिया। ये चीनी कंपनियां चीन की सेना को क्रूज मिसाइल मुहैया कराने के लिए एक टेंडर में शामिल थीं। इस डील में जिऑन गजिट और उरी शचार ने मध्यस्थता की थी जो एक सुरक्षा सलाहकार कंपनी के मालिक हैं। मेनाशे ने जविका और जीव नवेच को भी अपने साथ जोड़ लिया जो इन्नोकॉन कंपनी के मालिक हैं। यह कंपनी खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए ड्रोन बनाती है।

मेनाशे ने क्रूज मिसाइल और उसके कजपुर्जे बनाने वाले अन्य लोगों को भी अपने साथ जोड़ लिया। सरकारी वकील ने कहा कि इन संदिग्धों ने न केवल दर्जनों क्रूज मिसाइल को बनाया बल्कि इजरायल की जमीन पर ही कई टेस्ट भी किए। इससे इजरायली नागरिकों के जीवन को भी खतरा हो सकता था। इन मिसाइलों को गुप्त तरीके से चीन को निर्यात कर दिया गया। इसके बदले में मेनाशे को करोड़ों डॉलर मिले थे। इस पूरे मामले की जांच इजरायली पुलिस ने की थी। फरवरी महीने में 20 इजरायली लोगों से पूछताछ भी की गई थी। जांच में यह भी पता चला है कि चीन से इन लोगों को मिसाइल को लेकर आदेश मिलते थे। इसके बदले में चीनी इजरायली कंपनियों को पैसा और अन्य सुविधाएं देते थे।

भारत में एस-400 की तैनाती से घबराया पाकिस्तान

बाबर क्रूज मिसाइल का किया टेस्ट

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के एस-400 मिसाइल सिस्टम की तैनाती से घबराए पाकिस्तान ने भी बाबर क्रूज मिसाइल के अपग्रेडेड वर्जन का परीक्षण किया है। बताया जा रहा है कि यह बाबर क्रूज मिसाइल- 1बी का परीक्षण था। पाकिस्तान का दावा है कि इस मिसाइल को उसने स्वदेशी तकनीक पर विकसित किया है। सतह से सतह पर मार करने वाली बाबर-1बी मिसाइल 900 किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य को भेद सकती है। यह अपने पुराने वेरिएंट से करीब दो गुनी रेंज की मिसाइल है। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान ने स्वदेश विकसित बाबर क्रूज मिसाइल 1बी की बढ़ाई हुई रेंज प्रारूप का आज सफल परीक्षण किया। फरवरी में पाकिस्तान ने बाबर क्रूज मिसाइल के पूर्ववर्ती संस्करण का सफल प्रशिक्षण परीक्षण किया था। उसकी क्षमता 450 किमी तक लक्ष्य को भेदने तक सीमित थी। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि बाबर मिसाइल जमीन पर और समुद्र में अधिक सटीकता से लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। सेना के मुताबिक बाबर क्रूज मिसाइल 1बी के परीक्षण को सामरिक योजना प्रभाग के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जकी मांज सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने देखा।

बयान में कहा गया है कि सामरिक योजना प्रभाग के महानिदेशक ने क्रूज मिसाइल प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता हासिल करने पर वैज्ञानिकों और इंजीनियर को बधाई दी। साथ ही अपना पूरा भरोसा जताया कि यह परीक्षण पाकिस्तान के सामरिक प्रतिरोध को और मजबूत करेगा। मिसाइल के सफल परीक्षण पर राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी, प्रधानमंत्री इमरान खान, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने वैज्ञानिकों तथा इंजीनियर को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने अगस्त में पारंपरिक आयुध ले जा सकने वाली स्वदेश निर्मित रॉकेट प्रणाली फतह-1 का सफल परीक्षण किया था।

ड्रैगन की दो टूक, अमेरिका से जंग होने पर आखिरी दम तक लड़ेगा, झुकेगा नहीं

बीजिंग (ईएमएस)। चीन और अमेरिका के बीच बातचीत के कई प्रयास हो चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी दोनों देशों के बीच दशकों पुराना तनाव कम नहीं हो रहा है। नौबत यहां हैं कि बौखलाहट में चीन ने अमेरिका से टकराव होने की स्थिति में अंत तक लड़ने की बात कह दी है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन अमेरिका के साथ टकराव से नहीं डरेगा और अंत तक लड़ेगा।चीनी विदेशमंत्री ने कहा कि बीजिंग वाशिंगटन के साथ सहयोग का स्वागत करेगा, जब तक कि यह पारस्परिक रूप से लाभप्रद है।

कोरोना, व्यापार और मानवाधिकार, ताइवान और शिनजियांग जैसे मुद्दों को लेकर अमेरिका की तरफ से लगातार बीजिंग पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की गई। दोनों देशों के बीच संबंध कई तरह की असहमति के स्तर पर हैं। पिछले साल वांग ने कहा कि 1979 में औपचारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से द्विपक्षीय संबंधों की उनकी सबसे खराब स्थिति की निंदा करने के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया गया था।

इसके पहले चीन ने अमेरिकी सरकार के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के चार सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।बीजिंग ने देश के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे पर चीनी अधिकारियों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के जवाब में यह कदम उठाया है। ये कदम शिनजियांग मुद्दे पर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं।

रूसी उप विदेश मंत्री ने चेताया, आंतकी संगठन अल-कायदा तालिबान की स्थिति का लाभ उठने में जुटा हुआ

मॉस्को (ईएमएस)। रूसी उप विदेश मंत्री ओलेग सिरोमोलोटोव ने अफगानिस्तान के ताजा हालात को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि आंतकी ग्रुप अफगानिस्तान में तालिबान शासन को अपनी जीत की तरह से देख रहे हैं। उन्होंने बताया है, कि अल कायदा जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान के ताजा हालात से फायदा उठाना चाहते हैं।

3 माह में घटने लगता है ऑक्सफोर्ड वैक्सीन का असर,

इसे ध्यान में रखकर देनी होगी बूस्टर डोज

-ख्यात जर्नल में छपे अध्ययन से सामने आई जानकारी

लंदन (ईएमएस)। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन का असर तीन महीने बाद कम होने लगता है। यह दावा एक ख्यात जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में किया गया है। भारत में यह टीका कोविशील्ड के नाम से उपलब्ध है। ब्राजील और स्कॉटलैंड के डाटा से निकाले गए निष्कर्षों में कहा गया है कि जिन लोगों ने यह टीका लगवाया है, उन्हें गंभीर बीमारी से सुरक्षित करने के लिए बूस्टर डोज की जरूरत है।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में एस्ट्राजेनेका टीका लगवाने वाले 20 लाख और ब्राजील के 412 करोड़ लोगों के डाटा का विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने कहा टीके के असर में कमी लगभग तीन महीने के बाद आनी शुरू हो जाती है। इस दौरान अस्पताल में भर्ती होने और मौत होने की आशंका दूसरी खुराक लेने के दो सप्ताह बाद के मुकाबले दोगुना तक होता है। इसके साथ ही, दूसरी खुराक लेने के चार महीने बाद यह आशंका तीन गुनी तक हो जाती है।

ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के प्रो अजीज शेख ने कहा वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई में टीके प्रमुख हथियार रहे हैं, लेकिन समय के साथ उनके प्रभाव में कमी आना चिंता का विषय है। इस अध्ययन में उन लोगों के परिणामों की तुलना करके समान पखवाड़े के अंतराल पर टीके की प्रभावशीलता का अनुमान लगाया है, जिन्हें टीका नहीं लगाया गया है। इस अध्ययन ने कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर भी आशंकाओं को बढ़ा दिया है। प्रोफेसर शेख ने आगे कहा कि एस्ट्राजेनेका के कोविड रोधी टीके के असर में कमी की शुरुआत कब होती है, यह जानने से सरकारों को यह निर्धारित करने में मदद मिल सकेगी कि लोगों को टीके की बूस्टर खुराक देने के कार्यक्रमों को कब और किस तरह शुरू किया जाना चाहिए। इस अध्ययन में ब्राजील और स्कॉटलैंड दोनों ही स्थानों पर डाटा के विश्लेषण में इस टीके के प्रभाव में कमी होने की शुरुआत लगभग 12 सप्ताह यानी तीन महीने सामने आई है। उल्लेखनीय है कि भारत में बड़े पैमाने पर ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन का निर्माण सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया की ओर से किया जा रहा है। भारत के लि

गुजरात में कोरोना के नए 91 केसों के साथ सक्रिय मरीजों की संख्या 600 के पार, 2 मौतें

अहमदाबाद (ईएमएस) ओमिक्रॉन की दहशत के बीच गुजरात में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं कई महीनों के बाद राज्य में फिर एक बार कोरोना शतक की ओर बढ़ रहा हैं बुधवार को राज्य में कोरोना के नए 91 केस सामने आए हैं, वहीं 41 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए कोरोना से राज्य में दो मरीजों की मौत हो गई पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के 25 नए मरीज मिले सूरत कॉर्पोरेशन में 16, राजकोट में 15, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 10, वलसाड में 6, जामनगर कॉर्पोरेशन में 5, नवसारी में 4, गिर सोमनाथ में 2, खेडा में 2, वडोदरा में 2, अहमदाबाद में 1, कच्छ में 1, सूरत में 1, आणंद में 1, तापी में 1 और अमरेली में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 91 नए केस दर्ज हुए जबकि 41 मरीजों के ठीक होने के साथ ही राज्य में अब तक कोरोना से स्वस्थ होनेवालों की संख्या 828794 पर पहुंच गई वहीं देवभूमि द्वारका में 1 और सूरत कॉर्पोरेशन में 1-1 मरीज की मौत के साथ में कोरोना का मृतांक 10106 हो गया गुजरात में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 637 पर पहुंच गई है, जिसमें 628 स्टेबल हैं और 9 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं बुधवार को 182360 नागरिकों को कोरोना क टीका लगाने के साथ राज्य में अब तक 87501402 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

सेल्फी लेने के प्रयास में नहर में गिरा युवक, बचाने के प्रयास में अन्य तीन युवक भी डूबे

गांधीनगर (ईएमएस) गांधीनगर के रायपुर स्थित नर्मदा नहर में अहमदाबाद के चार युवकों के डूबने की खबर हैं नर्मदा नहर के किनारे सेल्फी ले रहा एक युवक पानी में जा गिरा, जिसे बचाने के लिए एक के बाद एक युवक ने छलांग लगाई लेकिन चारों युवक नहर में डूब गए स्थानीय तैराकों समेत फायर ब्रिगेड की टीम नहर में डूबे युवकों की तलाश कर रही हैं जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के कृष्णनगर क्षेत्र के विश्वासनगर एपार्टमेंट निवासी गौरव सुरेशभारती बावा का आज जन्म दिन था गौरव ने अपने दोस्तों स्मित राकेशभाई पटेल, साहिल अरविंदभाई पटेल, जयदीप सबवाणिया और निकुंज अनिभाई सगर के साथ गांधीनगर के रायपुर नर्मदा नहर पर जन्म दिन मनाने का फैसला किया था बर्थ डे कैक लेकर नहर पर पहुंचे पांचों दोस्त कैक काट रहे थे उस वक्त फोटो ले रहे एक युवक का अचानक पैर फिसला और वह नहर में जा गिरा जिसे बचाने के लिए एक के बाद एक युवक नहर में उतरा लेकिन चारों युवक नहर में डूबने लगे बाहर खड़े गौरव की चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग नहर पर जमा हो गए खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड के जवान भी मौके पर पहुंच गए और स्थानीय तैराकों की मदद से नहर में युवकों की तलाश शुरू कर दी फायर विभाग के मुताबिक पानी का बहाव तेज होने की वजह से चारों युवक आगे बह गए होने की आशंका हैं

दुधई विजय जुलूस में पाकिस्तान समर्थित नारे के मुद्दे पर पुलिस की स्पष्टता

कच्छ (ईएमएस) जिले के दुधई गांव के विजेता सरपंच जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद नारे लगे होने के मुद्दे पर पुलिस ने स्पष्टता की हैं पुलिस का कहना है कि विजय जुलूस में ऐसे कोई नारे नहीं लगे और किसी ने इसे गलत तरीके से वायरल किए हैं और ऐसा करने वाले के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी दरअसल मंगलवार को गुजरात में ग्राम पंचायत चुनावों के नतीजों का ऐलान किया गया राज्यभर में चुनाव के विजेता उम्मीदवारों ने विजय जुलूस निकाले कच्छ जिले की अंजार तहसील के दुधई गांव की विजेता सरपंच रीना कोथीवाड का भी विजय जुलूस निकला वोटों की गिनती अंजार में की गई, जहां रीना कोथीवाड को विजेता घोषित किए जाने के बाद उनके पति राघु कोथीवाड मतगणना केन्द्र से जैसे ही बाहर आए लोग उन्हें बधाई देने लगे उस दौरान रीना कोथीवाड के समर्थकों ने नारेबाजी भी की विजय जुलूस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दावा किया गया कि इसमें पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए इस घटना के बाद पुलिस के आला अफसर हरकत में आ गए गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी मामले की जांच के आदेश दे दिए इस संदर्भ में पूर्व कच्छ के पुलिस अधीक्षक मयूर पाटील ने पत्रकार परिषद की और बताया कि पुलिस ने वीडियो को बारीकी से जांच की हैं साथ ही वायरल वीडियो में दिख रहे शख्सों से भी पूछताछ की हैं उन्होंने कहा कि विजय जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारेबाजी नहीं हुई किसी ने इस वीडियो को गलत तरीके से सोशल मीडिया पर वायरल किया हैं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गलत तरीके से वीडियो वायरल करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी

हर्ष संघवी ने दिया जांच का आदेश

चुनाव के विजय जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

विडियो मामले में गृह राज्यमंत्री आक्रामक अंदाज में दिखाई दे रहे थे, उन्होंने कहा है कि, सभी लोगों को पकड़ लिया जाएगा

कच्छ, २२ दिसंबर।

गुजरात में गत मंगलवार को ग्राम पंचायत के चुनाव के परिणाम घोषित हुए थे। जिसके बाद से एक विडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है।

माना जा रहा है कि, यह विडियो ग्राम पंचायत के विजय जुलूस का है। विजय जुलूस के यह वायरल विडियो में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे सुना गया है। चर्चा के अनुसार यह विडियो अंजार तहसील का माना जा रहा है। लेकिन यह मामले में अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। यह विडियो में लोगों की भीड़ पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह मामले की चर्चा के अनुसार, यह विडियो में देखने को मिल रहा उम्मीदवार और समर्थको कच्छ के दूधई गांव के निवासी होने का माना जा रहा है। हालांकि, यह विडियो वायरल होने पर गुजरात की राजनीति में खलबली मच गई है। जिसके साथ कच्छ पुलिस भी एक्शन में आ गई है। इस मामले में जबकि अंजार के विधायक वासणभाई आहीर के साथ विशेष बातचीत की गई तब उन्होंने बताया है कि, यह तरीके का जो मामला हुआ है यह शर्मजनक है। हिन्दूस्तान में रहकर भी पाकिस्तान के नारे लगाना यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा।

इसके खिलाफ निश्चित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह शर्मजनक है। इस मामले में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के बताये अनुसार, बुधवार को सुबह में इस मामले में अपराध दर्ज किया गया है।

सभी लोगों को पकड़ लिया जाएगा। सरकार भी कच्छ मामले में गंभीरतापूर्वक कदम उठा रही है और नारे लगाने में शामिल सभी लोगों को पकड़ लिया जाएगा।

पेपर लीक मुद्दे पर घमासान जारी, अनशन करने से पहले आप नेता हिरासत में लिए गए

अहमदाबाद (ईएमएस) हेड क्लर्क परीक्षा के पर्चे लीक होने के मुद्दे पर राज्य में राजनीतिक दलों के बीच घमासान जारी हैं कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा के इस्तीफे की मांग को लेकर विभिन्न शहरों में प्रदर्शन कर रही हैं अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी के नेता उपवास पर बैठे उससे पहले पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया दूसरी ओर कांग्रेस की बाइक रैली को देखते हुए पार्टी मुख्यालय पर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पेपर लीक, असित वोरा के इस्तीफे की मांग और कमलम में प्रदर्शन करने पर आप कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया था जिसमें दिल्ली के विधायक और आप के गुजरात प्रभारी गुलाबसिंह यादव, प्रदेश नेता महेश सवाणी, संगठन महासचिव मनोज सोरठिया, महासचिव सागर रबारी ने पेपर लीक मुद्दे पर सरकार को आडे हाथ लिया गुलाबसिंह ने कहा कि इस पूरे षडयंत्र के पीछे मंडल के अध्यक्ष असित वोरा हैं, इसके बावजूद उनके खिलाफ साजिश की धाराओं के तहत केस दर्ज नहीं किया जा रहा उल्टे आम आदमी पार्टी के निर्दोष कार्यकर्ताओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकद्दमा दर्ज कर जेल में डाल दिया हैं असित वोरा के कुकर्मों की सजा राज्य के 88000 उम्मीदवारों के परिवार भुगत रहे हैं इसुदान गढवी पर छेड़छाड़ के आरोप को खारिज करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा मुख्यालय कमलम में जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, यदि छेड़छाड़ की घटना हुई है तो उसके सबूत सामने लाए जाने चाहिए उन्होंने कहा कि श्रद्धा राजबूत नेशनल हेल्थ मिशन में काम करती हैं और सरकार से वेतन भी लेती हैं तथा भाजपा कार्यालय में बैठकर फर्जी आरोप लगाती हैं गुलाबसिंह ने प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और गृह राज्यमंत्री की बयानों पर आश्चर्य जताया और कहा कि ये लोग इतनी बेशर्मी कहां से लाते हैं जिसके बाद गुलाबसिंह यादव और महेश सवाणी ने अन्न त्याग करने की घोषणा की और कहा कि कलेक्ट्रेट पर धरना देंगे लेकिन आप के नेता अनशन पर बैठें उससे पहले पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया दूसरी ओर गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने भी पेपर लीक मामले को लेकर पार्टी कार्यालय से गांधी आश्रम तक बाइक रैली का आयोजन किया था कांग्रेस मुख्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू की हांलाकि पुलिस ने कांग्रेस की बाइक रैली को मंजूरी नहीं दी और कांग्रेस कार्यालय पर बड़ी संख्या में जवानों को तैनात कर दिया कांग्रेस कार्यकर्ता बाइक रैला न निकाल पाएं, इस प्रकार पुलिस ने वाहन लगा दिए

कक्षा 10-12 की आगामी बोर्ड परीक्षा दो सप्ताह विलंब से ली जाएगी

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में ओमिक्रोन और कोरोना के मामले खासकर स्कूलों में विद्यार्थियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सरकार हरकत में आ गई हैं मौजूदा स्थिति को देखते हुए सरकार ने कक्षा 10 – 12 की बोर्ड की आगामी परीक्षा दो सप्ताह विलंब से लेने का फैसला किया हैं सरकार का कहना है कि कोरोना संकट के अलावा कोर्स पूर्ण करने के लिए भी परीक्षा विलंब से लेना जरूरी हो गया हैं 15 जुलाई 2021 से कक्षा 12 और 26 जुलाई 2021 से कक्षा 9 से 11 का स्कूलों में प्रत्यक्ष शिक्षा कार्य शुरू हुआ था पाठयक्रम पूर्ण हो इसके लिए कक्षा 10 और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा के कार्यक्रम में परिवर्तन करने का फैसला किया गया हैं सरकार के इस फैसले से गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 32 लाख से भी अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और वे अपनी परीक्षा की तैयारियां अच्छी तरह से कर सकेंगे जिसे देखते हुए सरकार ने कक्षा 9 से 12 की परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया हैं जिसके मुताबिक प्रथम और द्वितीय परीक्षा 27 जनवरी के बजाए 10 फरवरी को ली जाएगी बोर्ड के विषयों की सैद्धांतिक परीक्षा 9 फरवरी के बजाए 24 फरवरी को, कक्षा 10 एवं कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा 14 मार्च के बजाए 28 मार्च से, कक्षा 12 विज्ञान संकाय की प्रायोगिक परीक्षा 14 फरवरी के बजाए 2 मार्च को तथा कक्षा 9 और 11 की वार्षिक परीक्षा 11 अप्रैल के बजाए 21 अप्रैल से शुरू होगी परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव की वजह से स्कूलों में ग्रीष्मावकाश 2 मई से 5 जून के बजाए 9 मई से 12 जून के दौरान होगा और नया शैक्षिक सत्र 6 जून के बजाए 13 जून 2022 से प्रारंभ होगा

पेपर लीक केस में 2 युवती समेत 4 और गिरफ्तार, अब तक 18 आरोपी कानून के शिकंजे में

साबरकांठा (ईएमएस) गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा ली गई हेड क्लर्क की परीक्षा लीक मामले में साबरकांठा पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं पेपर लीक केस में पुलिस अब तक 18 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं साथ ही रु. 34.10 नकद और मोबाइल वाहन समेत कुल 78.46 लाख माल-सामान भी पुलिस ने बरामद किया हैं आज पकड़े गए चार आरोपियों में दानाभाई डांगर, केयुर संतकुमार पटेल, कृपाली सुरेशभाई पटेल और हिमानी विनुभाई देसाई शामिल हैं बता दें कि गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल की ओर से 12 दिसंबर को हेड क्लर्क की परीक्षा ली गई थी परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर सामने आने के बाद हरकत में आई सरकार ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे मंगलवार को राज्य सरकार ने हेड क्लर्क की ली गई परीक्षा रद्द करने और आगामी मार्च महीने में दोबारा परीक्षा लेने का ऐलान किया था

भर्ती, भ्रष्टाचार, भाजपा तीनों भाई-बहन जैसे और इनके बीच बहुत घनिष्ठ संबंध हैं : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) हेड क्लर्क परीक्षा के पर्चे लीक मुद्दे पर गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढ़वाडिया ने राज्य की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भर्ती, भ्रष्टाचार और भाजपा यह तीनों भाई बहन की तरह है तथा इनके बीच बहुत घनिष्ठ संबंध है। उन्होंने गुजरात के पेपर लीक मामले को मध्यप्रदेश के व्यापम घोटाले से बड़ा बताया है। अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि पूरे देश में जिन क्लास 1-2 अधिकारियों की भर्ती होनी चाहिए तो भारत और राज्य के कानून के मुताबिक यूपीएससी और राज्य में गुजरात पब्लिक सर्विस कमीशन (जीपीएससी) के तहत भर्ती करनी चाहिए। अभी तक इस प्रक्रिया के तहत क्लास 1-2 के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी हो या फिर कोई भी भर्ती संपूर्ण गैर कानूनी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब सूचना अधिकार, क्लास 1, 2 और 3 की भर्ती प्रक्रिया जीपीएससी की तहत प्रतिष्ठित संस्थान को देने के बजाय सरकार ने एक भर्ती समिति बनायी हैं। जिसका इरादा कमलम में से आने वाली सूची पर होता है। उन्होंने कहा कि वर्ग-1 और वर्ग-2 में अनुक्रम 8 और 15 भर्ती करनी थी। जिसमें 1200 प्रतियोगियों ने अर्जी की थी। परीक्षा राज्य सरकार को लेने के बजाय निजी एजेंसी साथ रख परीक्षा दिलाई गयी। अर्जुन मोढ़वाडिया ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार के पास परीक्षा बोर्ड है, अपनी एक व्यवस्था है तो निजी कंपनियों को परीक्षा का कार्रवाई सौंपने का क्या मतलब है। राज्य सरकार के नेतृत्व हुई अभी तक जितनी भी परीक्षा है सब में भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार की विभागीय और गौण सेवा पसंदगी मंडल के मार्फत होनेवाली चयन प्रक्रिया में धांधली होती ही है, लेकिन वर्ग 1 और 2 की परीक्षाएं तो जीपीएससी के जरिए कराने का कानूनी प्रावधान होने के बावजूद किन कारणों से ये परीक्षाएं विभाग की ओर से बाहर की एजेंसी को सौंपने का आखिर कारण क्या था? परीक्षा पूर्ण होने के बाद विशेषज्ञों की नियुक्ति में सिफारिश क्यों की गई? महिलाएं और एससी/एसटी/ओबीसी/ईबीसी आरक्षण के मापदंड क्यों नजरअंदाज किए गए? सरकार को इन सभी सवालों को जवाब देना चाहिए और इसके दोषियों को गिरफ्तार कर ये परीक्षाएं जीपीएससी द्वारा लिए जाने की अर्जुन मोढवाडिया ने मांग की हैं

अभिभावक को बालरोग के विशेषज्ञों ने दी सलाह

अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों को ध्यान रखना पड़ेगा

कोरोना की पहली और दूसरी लहरी के दौरान संक्रमित हुए बच्चों में भी बहुत कम लक्षण देखने को मिले थे

राजकोट, २२ दिसंबर।

गत सप्ताह में राजकोट शहर में कुल पांच बच्चे कोरोना वायरस की चपेट में आये थे। यह पांच बच्चों में एक समानता यह थी कि सभी के परिवार को या परिवार के किसी एक सदस्य को पहले कोरोना हो चुका था।

उल्लेखनीय है कि बच्चों में कोरोना के केस सामने आने पर अभिभावक चिंतित हो गये है। अभी कई अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल में भेजने की शुरूआत की है, ऐसी स्थिति में अब उनको स्कूल में भेजना या कि नहीं यह एक प्रश्न खड़ा हो गया है। यह स्थिति में बालरोग के विशेषज्ञों का आश्वासन राहत देने वाला है। उनका कहना है कि, जहां तक कोरोना के डेल्टा वेरिएंट की बात है, यह वेरिएंट की संक्रमित बच्चों को कठिन स्थिति का शिकार नहीं बनना पड़े। अभी बच्चों में ओमीक्रॉन के केस की संख्या करीब शून्य है, इसकी भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत में अभी १८ वर्ष से कम उम्र के लोगों को कोरोना की वैक्सीन नहीं दी गई है। डॉक्टरों के बताये अनुसार, कोरोना की पहली और दूसरी लहरी के दौरान संक्रमित हुए बच्चों में भी बहुत कम लक्षण देखने को मिले थे। बालरोग विशेषज्ञ डॉक्टर जय घिरवानी ने बताया है कि, वयस्कों जैसे ही बच्चों में भी जिनको मोटापा या अन्य किसी स्वास्थ्य से संबंधित समस्या हो तो उनको ध्यान रखने की जरूरत है। कोरोना वायरस की प्रथम और दूसरी लहर के अनुभव को ध्यान में रखते हुए बहुत कम बच्चे ऐसे है जिनकी स्थिति गंभीर हुई हो। कोरोना होने के बाद बच्चे भी एमआईएस-सी का शिकार हुए थे, लेकिन अब डॉक्टर इस मामले में जान चुके है और वह बीमारी को शुरूआत के दौर में ही पहचान लिया जाएगा। डॉक्टरों के बताये अनुसार, अभी सर्दी की वजह से कई बच्चों को सर्दी, खांसी, बुखार आदि की समस्या पैदा हुई है और उनके मां-पिता परेशान होकर बच्चों को कोरोना टेस्ट के लिए भेजते है। बच्चे की कोई ट्रावेल हिस्ट्री नहीं हो तो भी उनको कोरोना टेस्टिंग के लिए आते मां-पिता को समझाना डॉक्टरों के लिए मुश्किल काम है।

अहमदाबाद में ऑनलाइन चोरी की घटना बढ़ी

मिठाई की दुकान के दो बैंक खाते से ७५ लाख की चोरी

अहमदाबाद, २२ दिसंबर।

शहर की लोकप्रिय मिठाई की दुकान के बैंक खाते से शख्सों ने ७५ लाख रुपया निकाल लिए जाने का सामने आया है। यह मामले में दुकान के एक कर्मचारी का मोबाइल नंबर, जो कि धंधा के बैंकिंग अकाउंट से लींक था, यह २७ नवंबर को अचानक डिस्कनेक्ट हो गया था। जबकि वह २९ नवबंर को फिर एक्टिव हुआ तब कर्मचारी को पांच अकाउंट में पैसा ट्रांसफर हुए होने की जानकारी मिली थी। ५२ वर्ष के अनिष त्रिवेदी, जो कि कंदोई भोगीलाल मुलचंद में २० वर्ष से काम करते है, उन्होंने बताया है कि, कंपनी के ६ करंट अकाउंट है, जिनके साथ उनके और कंपनी के मालिक के मोबाइल नंबर लींक है। त्रिवेदी ने बताया है कि कोई भी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए उनके मोबाइल फोन पर वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आता है। २७ नवंबर शाम को करीब ८.१५बजे, उनका फोन अचानक डिस्कनेक्ट हो गया था जिसके बाद उन्होंने अपने दोस्त को फोन किया था जो टेलीकॉम कंपनी में काम करते है। उनके दोस्त ने सिमकार्ड २जी फोन में रखने के लिए कहा था, लेकिन उनको फिर भी सिग्नल नहीं मिला था। जिसके बाद उन्होंने टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर का संपर्क किया था और उनको केवायसी (नो योर कस्टमर) डॉक्युमेन्टस सबमिट कराने के लिए कहा गया था, जो उन्होंने किया था, लेकिन दो दिन बाद भी उनका सिमकार्ड रि-एक्टिवेट नहीं हुआ था। दो दिन बाद २९ नवंबर को शाम को करीब ८ बजे वह काम करने लगा था और उनको बैंकिंग ट्रांजेक्शन के मैसेज मिलने लगे थे। उन्होंने एक बैंक अकाउंट से ५० लाख और दूसरे अकाउंट से २५ लाख रुपया अलग-अलग १२ ट्रांजेक्शन से निकलने का ध्यान में आया। त्रिवेदी ने अपने बैंकर को फोन किया था और पैसा २७ नवंबर से २९ नवंबर के दौरान पांच अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर हुए होने की जानकारी मिली थी। यह मामले में साइबर क्राइम एक्सपर्ट ने बताया है कि, साइबर के अपराधी, पीड़िता का डेटा जैसे कि, उनके बैंक अकाउंट, क्रेडिट कार्ड, पान नंबर, एड्रैस, जन्म तारीख और मोबाइल फोन नंबर की जानकारी सुरक्षित करने के बाद, नकली पान कार्ड बनाते है और पीड़िता के नाम पर से नया सिमकार्ड इश्यू करते हैं।

रेलवे के चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी 3 करोड़ से अधिक संपत्ति का मालिक

अहमदाबाद (ईएमएस) रेलवे के चतुर्थ श्रेणी के एक कर्मचारी के पास 3 करोड़ से अधिक संपत्ति होने की शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने केस दर्ज कर जांच शुरू की हैं इस संदर्भ में शिकायतकर्ता एसीबी, आयकर विभाग, रेलवे के डीआरएम और आरपीएफ से भी शिकायत की थी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर आखिरकार सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की हैं साबरमती रेलवे में बतौर बोक्स बॉय सेवारत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी प्रशांत बलदेवभाई रबारी तीन करोड़ रुपए से भी अधिक संपत्ति का मालिक हैं आरोप है कि प्रशांत रबारी ने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से इतनी संपत्ति जुटाई हैं सीबीआई से की गई शिकायत के मुताबिक प्रशांत रबारी रेलवे की संपत्ति जैसे तांबा, पित्तल और स्टील इत्यादि सीधे अन्य लोगों को बेचकर लाखों की कमाई करता था रेलकर्मी प्रशांति रबारी के खिलाफ ब्याज पर रुपए देने के मामले दर्ज हैं आय से भी अधिक सपंत्ति जुटाने वाले प्रशांत रबारी ने सोने-चांदी के आभूषण, महंगी कारें, मकान और प्लॉट इत्यादि खरीदे हैं सीबीआई को वीडियो फूटेज के साथ सबूत के साथ शिकायत मिलने और केन्द्रीय कर्मचारी होने के नाते प्रशांत के खिलाफ सीबीआई में मामला दर्ज किया गया हैं प्रशांत रबारी ने रेलवे की संपत्ति बेचकर रेल विभाग को लाखों का नुकसान पहुंचाया हैं प्रशांत रबारी के पास 1.40 करोड़ रुपए कीमत का अहमदाबाद के कालीगाम में भूखंड के अलावा कालीगाम में 35 जितने मकानों का कंस्ट्रक्शन, चांदखेडा में दो फ्लैट, लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण, 35 लाख रुपए कीमत की फोर्च्युनर कार, 8 लाख की स्वीफ्ट कार, 1.50 लाख की रॉयल एन्ड फिल्ड बुलेट, पत्नी के नाम भी लाखों की संपत्ति हैं

24 दिसंबर 2021 से अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस गांधीनगर कैपिटल स्टेशन से चलेगी

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 12009/12010 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन को दिनांक 24 दिसंबर 2021 से प्रतिदिन (रविवार को छोड़कर) गांधीनगर कैपिटल स्टेशन तक विस्तारित किया जा रहा है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

ट्रेन संख्या 12009 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल से प्रातः 06:10 बजे चलकर 12:22 बजे अहमदाबाद पँहुचेगी तथा 12:37 बजे रवाना होकर 13:40 बजे गांधीनगर कैपिटल पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 12010 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल शताब्दी एक्सप्रेस गांधीनगर से 14:20 बजे चलकर 15:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी तथा 15:05 बजे रवाना होकर 21:45 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन अहमदाबाद, नडियाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी तथा बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए .हर्लिब्रर्ह्रिंगुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से जोड़े जाएंगे 8 अतिरिक्त जनरल कोच

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन नंबर 22960/22959 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से अतिरिक्त 8 जनरल कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार अब इस ट्रेन की संशोधित संरचना में कुल 22 कोच रहेंगे जिसमें 2 एसी चेयर कार, 8 सेकंड क्लास सीटिंग (आरक्षित), 10 जनरल (अनारक्षित) और 2 लगेज वान कोच शामिल हैं। ट्रेन नंबर 22960/22959 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस संशोधित संरचना के साथ जामनगर से 26 दिसंबर, 2021 से और वडोदरा से 25 दिसंबर, 2021 से चलेगी।

23 दिसंबर 2021 से अहमदाबाद-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस साबरमती स्टेशन पर रुकेगी

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 12957/12958 अहमदाबाद-नई दिल्ली-अहमदाबाद स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को साबरमती स्टेशन पर दिनांक 23 दिसंबर 2021 से 6 महीनों के लिए प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान किया जा रहा है। जो निम्नानुसार है:-

ट्रेन संख्या 12957 अहमदाबाद-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन का साबरमती स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 18:02/18:04 तथा महेसाणा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 18:48/18:50 बजे रहेगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 12958 नई दिल्ली-अहमदाबाद स्वर्ण जयंती राजधानी एक्सप्रेस का महेसाणा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 07:50/07:52 बजे तथा साबरमती स्टेशन पर 08:50/08:52 बजे रहेगा। यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई

एसपी रिंग रोड पर निर्माणाधीन ब्रिज का हिस्सा टूट गया

अहमदाबाद, २२ दिसंबर।

शहर के सरदार पटेल रिंग रोड पर नया बन रहा ब्रिज का हिस्सा टूट गया है। बोपल से शांतिपुरा जाने के लिए बन रहा ब्रिज के बीच का हिस्सा टूट गया है।

घटना की जानकारी मिलने पर फायर विभाग के उच्च अधिकारी और पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया। फायर विभाग के तीन फायर फाइटर घटनास्थल पर जाने के लिए रवाना होने के समाचार भी सामने आये है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। महत्वपूर्ण है कि, बोपल से शांतिपुरा जाते रिंग रोड पर वायएमसी क्लब रोड के टर्निंग के पास पिछले छह महीने से औडा द्वारा ब्रिज बनाने का काम चल रहा है।

महत्वपूर्ण है कि, जबकि यह ब्रिज का हिस्सा टूटा तब कोई वाहन यहां से नहीं जा रहा था। जिसकी वजह से बड़ी दुर्घटना टल गई थी। यह ब्रिज का निर्माण पिछले छह महीने से चल रहा था। यह ब्रिज बनाने का काम बोपल से शांतिपुरा जाते रिंग रोड पर वायएमसी क्लब रोड के टर्निंग के पास औडा द्वारा चल रहा है। औडा द्वारा निर्माणाधीन ब्रिज के बीच का हिस्सा टूट गया है। यह मामले में बुधवार को सुबह में औडा के अधिकारी और इंजीनियर विभाग के अधिकारी जांच शुरू करेंगे। दूसरी महत्व की बात है कि. यह ब्रिज का हिस्सा टूट जाने पर ब्रिज के सपोर्ट में रखा गया लोहे का बीम भी टूट गया था। रात के समय ब्रिज धराशायी होने पर बड़ी दुर्घटना टल गई थी। हालांकि, यह ब्रिज की ५० फीसदी कामकाज पूरा हो गया था। अब मंगलवार को रात को अचानक यह ब्रिज के बीच का हिस्सा टूट गया।

क्रिसमस का त्यौहार लाया खुशियाँ भरमार!

क्रिसमस प्यार और आनंद का त्यौहार है, जिसे पूरी दुनिया में मनाया जाता है। क्रिसमस की उमंग को देखते हुए, एण्डटीवी के शोज 'घर एक मंदिर–कृपा अग्रसेन महाराज की', 'और भई क्या चल रहा है?', 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' में मनोरंजक कहानियों की एक विशेश श्रृंखला आने वाली है, जिससे त्यौहार का उत्साह कई गुना बढ़ जाएगा!

क्या सैंटा क्लॉज बनकर निशा दे पाएगी गेंदा को मात!

एण्डटीवी के 'घर एक मंदिर–कश्पा अग्रसेन महाराज की' में क्रिसमस का जष्न चरम पर है क्योंकि निशा (केनिशा भारद्वाज) त्योहारी माहौल के बीच सैंटा क्लॉज बनकर सभी का ध्यान भंग कर रही है। वह गेंदा (श्रेणु पारिख) के बैग से दुकान की चाबियां चुराने की फिराक में है। इस बीच, गेंदा अपने परिवार के साथ क्रिसमस मनाने और साथ मिलकर नाचने–गाने का सपना देखती है। गेंदा (श्रेणु पारिख) ने कहा, "मैं खुद क्रिसमस के ट्रैक को लेकर बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इस दौरान ढेर सारी हंसी–खुषी के बीच खूब ड्रामा देखने को मिलेगा। सवाल यह है कि क्या गेंदा निषा का इरादा समझ पाएगी या फिर निषा चाबी चुराने में कामयाब होगी?

पश्चिम रेलवे द्वारा

मुम्बई सेन्ट्रल ⇌ अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस का गांधीनगर कैपिटल तक विस्तार

24.12.2021 से (संशोधित समय के साथ चलेगी)

गाड़ी सं. 12009 (मुम्बई सेन्ट्रल–गांधीनगर कैपिटल)		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 12010 (गांधीनगर कैपिटल – मुम्बई सेन्ट्रल)	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	06.10	मुम्बई सेन्ट्रल	21.45	--
06.33	06.35	बोरीवली	20.46	20.48
07.59	08.01	वापी	19.19	19.21
09.03	09.